दिव्य कला शक्ति

'दिव्यांगता में क्षमता का दर्शन'

Divya Kala Shakti

'Witnessing Ability in Disability'

सत्यमेव जयते

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SOCIAL JUSTICE & EMPOWERMENT
DEPARTMENT OF EMPOWERMENT OF PERSONS WITH DISABILITIES (DIVYANGJAN)

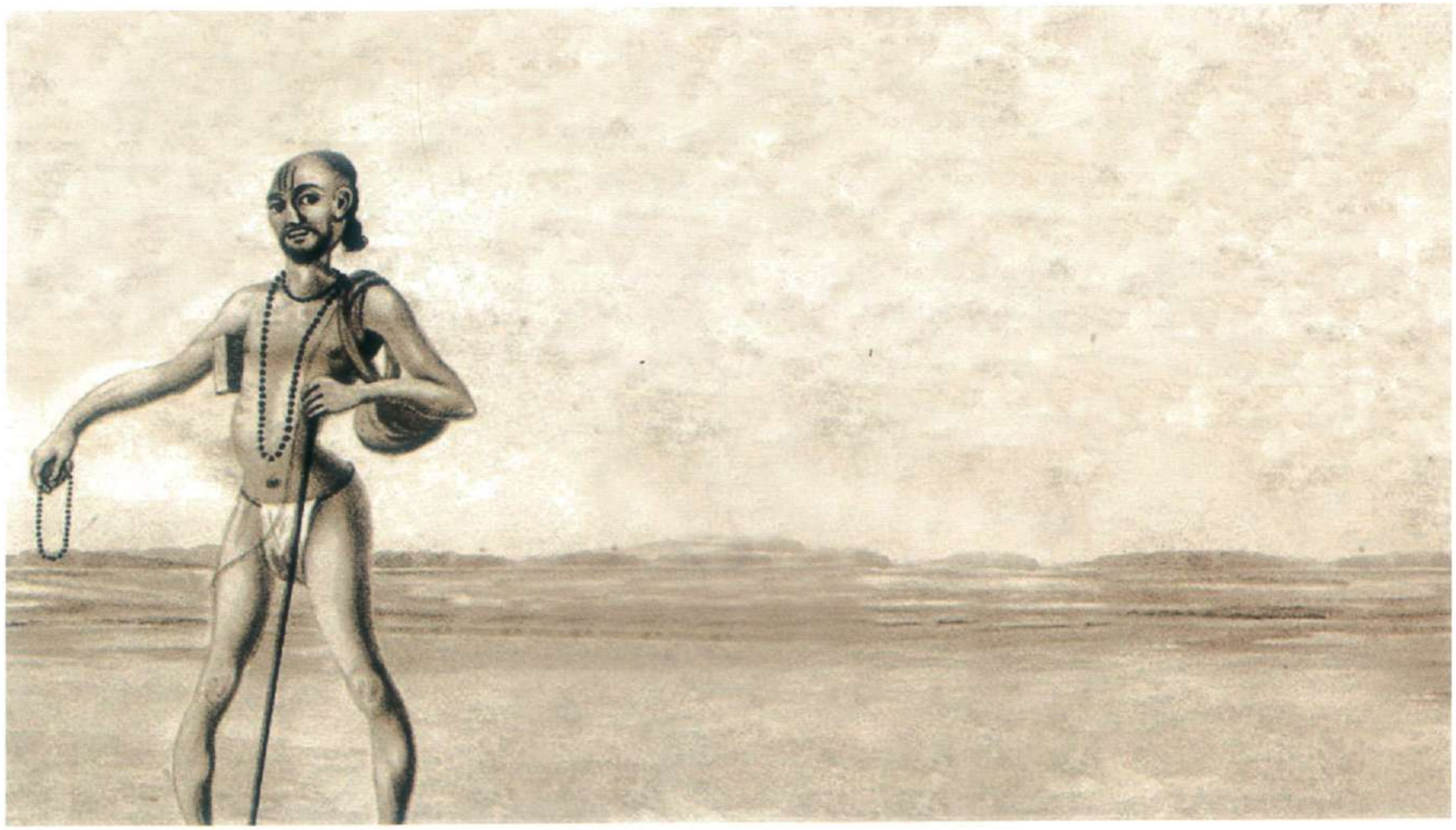

ऋषि अष्टावक्र एक दिव्यांग, सतयुग के महानतम वैदिक ऋषियों में से एक थे। उन्होंने अपने कष्टों को कभी कमज़ोरी नहीं माना। वे मानते थे कि–

जो मन से विकल है, वो जीवन में विफल है और जो मन से सबल है, वो जीवन में सफल है। आत्मविश्वास के बिना प्रत्येक व्यक्ति विकलांग है, और आत्मविश्वास के साथ प्रत्येक विकलांग, सामान्य व्यक्ति से भी अधिक सक्षम है।

तथा

यदि आप सोचते हैं कि आप स्वतंत्र हैं, तो आप स्वतंत्र हैं और यदि आप समझते हैं कि आप बंधे हुए हैं, तो आप बंधे हुए हैं।

कोई भी पीछे न रह जाए

Leaving No One Behind

रचनात्मकता के मार्ग में बाधा का कोई स्थान नहीं है। दिव्यांग कलाकारों द्वारा किए गए शानदार प्रदर्शन ने दुनिया को दिखा दिया कि भले ही वे किसी प्रकार से वंचित हैं पर वे अपनी प्रतिकूलता से पार पा सकते हैं। यह वास्तव में एक उत्साहवर्धक अनुभव था।

'दिव्य कला शक्ति : दिव्यांगता में क्षमता का दर्शन' का उद्देश्य उस अद्भुत क्षमता के संबंध में और अधिक जागरूकता पैदा करना है जिसे उपयोग में लाए जाने का इंतजार है।

Creativity knows no barrier. Overwhelming performances by Divyang artistes showed the world that even though they are disadvantaged in some ways, they can overcome their adversity and be one amongst the best through their passion and practice. It was truly an uplifting experience.

'Divya Kala Shakti : Witnessing Ability in Disability' aims to further create awareness regarding the tremendous potential that is waiting to be harnessed.

अधिकार को मूर्तरूप प्रदान करना।

Making The Right Real

सभी बाधाओं के बीच अविचल खड़े रहना

दिव्यांगजन शब्द का प्रयोग हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी द्वारा पहली बार 28 दिसंबर 2015 को मन की बात की उनके भाषण में विकलांगजन के लिए किया गया था। दिव्यागं ने ऐसे व्यक्तियों को संदर्भित करने के लिए मौजूदा शब्द विकलांग को प्रतिस्थापित किया। शब्दिक रुप से, दिव्यांग का अर्थ एक दिव्य विशेषताओं वाला व्यक्ति है, जबकि विकलांग का अर्थ एक ऐसे व्यक्ति से है जो शारीरिक रुप से विकलांग है।

दिव्य कला शक्ति कार्यक्रम में भाग लेने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से कलाकारों को एकत्रित किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विविधता में एकता की भावना का प्रतिनिधित्व करने के लिए विभिन्न संस्कृतियों और क्षेत्रों को एक रंग में रंगना था।

इस पूरे कार्यक्रम के दौरान, दर्शक इस तरह से मंत्रमुग्ध थे जैसे कि कलाकार आसमान से जमीन पर उतर कर आए हों। कला के विभिन्न रुपों को, चाहे वह नृत्य हो, गायन हो या फिर कि अभिनय हो, उन्होंने मंत्रमग्ध श्रोताओं के समक्ष अपनी दिव्य आत्माओं का बहुत ही मनोरम प्रदर्शन किया। इन कलाकारों ने न केवल चह साबित किया कि वे सामान्य लोगों के बराबर हैं, बल्कि कुछ खास पहलुओं में तो वे उनसे भी बेहतर हैं।

Standing Tall Amidst all Odds

The word 'Divyang' was used to describe persons with disabilities for the first time by Hon'ble Prime Minister, Shri Narendra Damodardas Modi in his deliverance of the 'Mann ki Baat' on 28th December 2015. 'Divyang' replaced the existing term 'Viklang' to refer to such persons. Literally speaking, 'divyang' means a person in a divine body, whereas 'viklang' refers to a physically challenged person.

The artistes for Divya Kala Shakti programme have been drawn from various parts of the country. The show was to weave an integrated fabric of different cultures and regions to represent the spirit of unity in diversity.

Throughout the show, the audience was left mesmerised as if the performers had descended from above. In different forms of art, be it dancing, singing, performing, they gracefully showcased their divine souls in front of an awestruck audience. The performers proved not only that they were at par with people without disabilities but in certain aspects even better than them.

सत्यमेव जयते

राष्ट्रपति
भारत गणतंत्र

President
Republic of India

Message

I am happy to know that the Department of Empowerment of persons with Disabilities (Divyangjan), Ministry of Social Justice and Empowerment, Government of India, is bringing out a 'Coffee Table Book' showcasing two cultural events entitled "Divya Kala Shakti : Witnessing Ability in Disability" held this year in Rashtrapati Bhavan Cultural Centre on 18th April, 2019 and Balyogi Auditorium, Parliament Library Building on 23rd July, 2019.

Divyangjan are gifted humans who seek no sympathy. What is perhaps required is empathy and an enabling, barrier-free environment, whereby they can enjoy their rights and participate in various fields of human endeavour. Every Divyang needs to be treated equally without any prejudice or discrimination.

The performing and creative abilities of divyanjgan deserve greater appreciation and wider recognition. In this regard the Coffee Table Book will play an important role. I convey my best wishes for its successful publication.

Ramnath Kovind

(Ram Nath Kovind)

New Delhi
October 09, 2019

सत्यमेव जयते

भारत के उपराष्ट्रपति

Vice-President of India

Message

It was a pleasure for me to be a part of the cultural event "Divya Kala Shakti: Witnessing Ability in Disability" organised by the Department of Empowerment of Persons with Disabilities on 23rd July, 2019. I congratulate the Department for bringing out a book on this event.

The scintillating performances given by these gifted youngsters were truly delightful. By rendering outstanding performances, in various genres of music and dances, these artists have shown that their abilities are not constrained by their disabilities.

Persons with Disabilities can excel in all dimensions of public life – be it in education, sports or cultural activities, provided we create a conducive, facilitative platform for them to flourish in.

The Central and State Governments and the civil society have immense responsibility to enhance access to greater opportunities so that the disabled become proud partners in our developmental process.

I extend my greetings and best wishes to all the differently-abled artists who participated in the cultural show and hope this book will be an eye-opener for readers to understand the extraordinary capabilities and talents inherent in these young persons.

(M. Venkaiah Naidu)

New Delhi
09th September, 2019

सत्यमेव जयते

प्रधान मंत्री

Prime Minister

Message

It is heart-warming to learn that the Department of Empowerment of Persons with Disabilities is publishing a Coffee Table Book based on the cultural programme – "Divya Kala Shakti: Witnessing Ability in Disability". The programme showcased the artistic skills and talents that Divyangjan possess.

The performance of the artistes was heartening and truly amazing. The cultural show engaged the audience and the show came as a whiff of fresh air.

It is our collective responsibility to create an inclusive society that empowers Divyangjan. The inner strength, determination and resolve of our Divyangjan is an inspiration for every section of the society.

The Coffee Table Book will be a tribute to our talented Divyangjan and act as a cherished memory for the society. May the publication be read and liked far and wide.

Best wishes for all success of the Coffee Table Book.

(Narendra Modi)

New Delhi
आश्विन 8, शक संवत् 1941
30th September, 2019

सत्यमेव जयते

अध्यक्ष, लोक सभा
SPEAKER, LOKSABHA

संदेश

मुझे केन्द्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा माननीय संसद सदस्यों के लिए 23 जुलाई, 2019 को आयोजित कार्यक्रम "दिव्य कला शक्ति: विटनेसिंग एबिलिटी इन डिसैबिलिटी" को देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ जिसमें देश भर से आए दिव्यांग कलाकारों ने अपनी कला एवं प्रतिभा का प्रदर्शन करके दर्शकों के मन को मोह लिया। उनकी जोशपूर्ण कलात्मक प्रस्तुति ने हम सबको अभिभूत कर दिया। मैं उन सभी कलाकारों को बहुत–बहुत-बधाई देता हूँ।

प्रतिभाएं किसी भी परिचय अथवा बंधन का मोहताज नही होती। विषम परिस्थितियों के बावजूद, इन कलाकारों ने कला के विभिन्न रूपों को सरल एवं सहज रूप से चित्रित करके हमारे दिलों में अपनी छाप छोड़ी है, इन सभी कलाकारों का प्रयास प्रशंसनीय हैं। मुझे विश्वास है कि वहां उपस्थित कार्यक्रम देख रहे सभी माननीय सांसदो को कुछ वैसी ही अनुभूति हुई होगी, जैसी मुझे हुई है। उन कलाकारों की आशावादी भावनाओं, पेशेगत गुणों एवं कार्य के प्रति प्रतिबद्धता को देख कर मैं बहुत प्रेरित हुआ हूँ।

आज के समय में दिव्यांग किसी से भी पीछे नहीं हैं। उन्होंने अपनी प्रतिभा से प्रत्येक क्षेत्र में शानदार एवं अविश्वसनीय सफलताएं अर्जित की हैं। एक ओर जहां उनके प्रयासों को स्वयं उनके परिवार को, समाज के हर वर्ग एवं शासन को प्रोत्साहित करना चाहिए, वहीं उनके सशक्तिकरण की दिशा में हमें निरंतर कार्य करते रहना चाहिए। प्रख्यात साहित्यकार मिल्टन, हेलेन केलर, दोस्तोवस्की, स्टीफन हॉकिंग जैसी प्रतिभाओं ने पूर्व में विश्व को बहुत कुछ दिया है। वर्तमान में भी हमारे बीच कई विभूतियां हैं जिन्होंने राष्ट्र का मार्गदर्शन किया है, उन्हें प्रेरणा दी है।

मैं केन्द्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अधिकारियों को दिव्यांग कलाकारों को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम के आयोजन की संकल्पना के लिए धन्यवाद देता हूँ एवं कलाकारों को उनकी बेहतरीन प्रस्तुति के लिए बधाई देता हूँ एवं उनके स्वर्णिम भविष्य की कामना करता हूँ।

(ओम बिरला)

(डॉ. थावरचंद गेहलोत)
DR. THAAWARCHAND GEHLOT
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री
भारत सरकार
MINISTER OF
SOCIAL JUSTICE AND EMPOWERMENT
GOVERNMENT OF INDIA

सत्यमेव जयते

कार्यालयः 202, सी विंग, शास्त्री भवन,
नई दिल्ली
Office : 202, 'C' Wing, Shastri Bhawan,
New Delhi-110115
Tel.: 011-23381001, 23381390, Fax : 011-23381902
E-mail : min-sje@nic.in
दूरभाषः 011–23381001, 23381390, फैक्सः 011–23381902
ई–मेलः min-sje@nic.in

संदेश

मैं, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की सचिव और उनकी टीम को राष्ट्रपति भवन तथा संसद भवन में क्रमशः दिनांक 18 अप्रैल, 2019 तथा 23 जुलाई, 2019 को सांस्कृतिक समारोह **"दिव्य कला शक्ति"** के आयोजन के लिए बधाई देता हूं। मुझे इस बात का बहुत ही आत्म संतोष है कि भारत के माननीय राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अध्यक्ष (लोक सभा), ने वाद्य संगीत, गायन और नृत्य में दिव्यांग कलाकारों द्वारा प्रस्तुत प्रदर्शन की सराहना की है। उन्होंने इच्छा व्यक्त की है कि दिव्यांग कलाकारों के कौशल और प्रतिभा को और व्यापक दर्शकों के सामने लाने और देश भर में प्रसारित किए जाने की आवश्यकता है।

"दिव्य कला शक्तिः दिव्यांगता में क्षमता का दर्शन" समारोह में भाग लेने वाले दिव्यांग कलाकारों की कलात्मक योग्यताओं के ब्यौरों का संग्रहित प्रतिबिम्ब है। आप मेरी इस बात से सहमत होंगे कि ये बच्चे थोड़ा सा प्रोत्साहन दिए जाने पर अपने रचनात्मक कलाक्षेत्र में एक छाप छोड़ने के अलावा, अपने अन्दर विद्यमान सर्वोत्तम प्रतिभा के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हैं।

मुझे विश्वास है कि यह पुस्तक इसके सभी पाठकों के लिए उपयोगी होने के साथ–साथ अपने उद्देश्य को प्राप्त करेगी।

(डॉ. थावरचंद गेहलोत)

(डॉ. थावरचंद गेहलोत)
DR. THAAWARCHAND GEHLOT
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री
भारत सरकार
MINISTER OF
SOCIAL JUSTICE AND EMPOWERMENT
GOVERNMENT OF INDIA

सत्यमेव जयते

कार्यालयः 202, सी विंग, शास्त्री भवन,
नई दिल्ली
Office : 202, 'C' Wing, Shastri Bhawan,
New Delhi-110115
Tel.: 011-23381001, 23381390, Fax : 011-23381902
E-mail : min-sje@nic.in
दूरभाषः 011–23381001, 23381390, फैक्सः 011–23381902
ई–मेलः min-sje@nic.in

संदेश

मैं, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की सचिव और उनकी टीम को राष्ट्रपति भवन तथा संसद भवन में क्रमशः दिनांक 18 अप्रैल, 2019 तथा 23 जुलाई, 2019 को सांस्कृतिक समारोह "**दिव्य कला शक्ति**" के आयोजन के लिए बधाई देता हूं। मुझे इस बात का बहुत ही आत्म संतोष है कि भारत के माननीय राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अध्यक्ष (लोक सभा), ने वाद्य संगीत, गायन और नृत्य में दिव्यांग कलाकारों द्वारा प्रस्तुत प्रदर्शन की सराहना की है। उन्होंने इच्छा व्यक्त की है कि दिव्यांग कलाकारों के कौशल और प्रतिभा को और व्यापक दर्शकों के सामने लाने और देश भर में प्रसारित किए जाने की आवश्यकता है।

"दिव्य कला शक्तिः दिव्यांगता में क्षमता का दर्शन" समारोह में भाग लेने वाले दिव्यांग कलाकारों की कलात्मक योग्यताओं के ब्यौरों का संग्रहित प्रतिबिम्ब है। आप मेरी इस बात से सहमत होंगे कि ये बच्चे थोड़ा सा प्रोत्साहन दिए जाने पर अपने रचनात्मक कलाक्षेत्र में एक छाप छोड़ने के अलावा, अपने अन्दर विद्यमान सर्वोत्तम प्रतिभा के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हैं।

मुझे विश्वास है कि यह पुस्तक इसके सभी पाठकों के लिए उपयोगी होने के साथ–साथ अपने उद्देश्य को प्राप्त करेगी।

(डॉ. थावरचंद गेहलोत)

शकुन्ताला डौले गामलिन, भा.प्र.से.
सचिव
Shakuntala Doley Gamlin, IAS
Secretary

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग
Government of India
Minister of Social Justice & Empowerment
Department of Empowerment of Persons with Disabilities (Divyangjan)
17th October, 2019

The cultural event 'Divya Kala Shakti: Witnessing Ability in Disability' has been a humble attempt to showcase the talents of the Divyangjan, the divinely gifted human resource of our country.

Divyangs have proven beyond doubt through their focussed mind, indomitable grit and tenacity that they can face all obstacles and barriers and yet come out in flying colours.

This documented work will provide invaluable details of artistic qualities of Divyang artists who have performed at Rashtrapati Bhavan and Balayogi Auditorium of Parliament Library Building.

This Coffee Table Book is not merely the collection of pictures but the reflection of hope, aspirations and possibilities. The information in this book will help open up our minds and remove the lurking doubts we had about their ability. Thereby opening 'all-doors' and creating a world of opportunities for our Divyang brothers and sisters.

(Shakuntala D. Gamlin)

5वां तल, पं. दीनदयाल अंत्योदय भवन,
सी.जी.ओ. कॉम्प्लेक्स, लोदी रोड़, नई दिल्ली-110 003
5th floor, Pt. Deendayal Antyodaya Bhavan,
CGO Complex, Lodhi Road, New Delhi-110 003

Tel. : 011-24369067
Fax : 011-24369055
E-mail : secretaryda-msje@nic.in

Behind The Stage

The Department of Empowerment of Persons with Disabilities (Divyangjan), Ministry of Social Justice & Empowerment was established in May 2012 to give greater emphasis on policy issues and implementation relating to persons with disabilities. Besides administering three Acts of Parliament, the Department is providing rehabilitation services, training, education and conducting research on various disabilities through eight National Institutes spread across the country. Various Central Schemes are being run to provide support to institutions, State Governments and NGOs. Besides providing financial support to civil society organisations and institutions for sensitising people about the rights and entitlements of persons with disabilities, the Government also confers National Awards every year in recognition of excellence of persons with disabilities and their organisations, and also to individuals and organisations working for the empowerment of Persons with Disabilities.

The Rights of Persons with Disabilities Act, 2016 came into force on 19th April, 2017. Section 29 of RPwD Act envisions the Government to promote cultural and recreational activities amongst the Persons with Disabilities.

In March 2019, the Department received a request from the President's Secretariat to conduct a cultural programme by Divyang children in the premises of Rashtrapati Bhawan on 18th April, 2019.

To organise the function, three major steps were taken immediately, to invite entries of participants through our National Institutes; to appoint a professional choreographer team to mentor the participating teams; and to make the Rashtrapati Bhawan Cultural Centre fully accessible.

A total of 175 Artistes were drawn from different States, cultural societies, institutions and civil societies to reflect a truly nationalistic spirit. The Department arranged for their rehearsals and practice sessions with the choreographer. The discipline and precision of timing and performance among such children is the greatest example of their intellectual, creative and their latent ability that needs to be harnessed for their optimal self-actualization.

The President's Secretariat made necessary arrangements for making the stage and venue accessible for Persons with Disabilities along with the provision of necessary arrangements including sound and light equipment.

The cultural event 'Divya Kala Shakti: Witnessing Ability in Disability' commenced in the evening of 18th April, 2019 in the esteemed presence of Hon'ble President of India. The event was witnessed by an appreciative audience consisting of dignitaries representing Ambassadors/High Commissioners/Senior Government Officers, Creative Personalities, Academicians, Principals of schools and various disability advocacy groups, etc.

The programme was anchored by three young persons with visual impairment and all the performances were presented by children and youth with disabilities.

The event trully embodied the spirit of "Leaving No One Behind" and of "Making the Right Real"

Inspired by the success of this event, a similar cultural event was organized in Parliament House to display these talents before the Members of Parliament on 23rd July, 2019.

प्रस्तावना

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने 18 अप्रैल 2019 को माननीय भारत के राष्ट्रपति की गरिमामयी उपस्थिति में 'दिव्य कला शक्तिः दिव्यांगता में क्षमता का दर्शन' एक विशिष्ट सांस्कृतिक समारोह का आयोजन किया। 23 जुलाई 2019 को इसी प्रकार का कार्यक्रम बालयोगी ऑडिटोरियम संसद पुस्तकालय भवन में भारत के माननीय राष्ट्रपति, भारत के माननीय उप राष्ट्रपति, भारत के प्रधानमंत्री की भव्य उपस्थिति में आयोजित किया गया।

दिव्यांग कलाकार ने स्वर व वाद्य, संगीत तथा शास्त्रीय, लोक और आधुनिक नृत्य के माध्यम से इस कार्यक्रम में भाग लिया और अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

उनकी शारीरिक सीमाओं के बावजूद उनका आनंद कारक और आकर्षक प्रदर्शन मानवीय अदम्य भावना को प्रदर्शित करने की सबसे बेहतरीन उदाहरण है। उनकी प्रतिभा का प्रदर्शन, व्यक्तिगत एवं सामूहिक दोनों रूपों में उत्कृष्ट रहा है।

दिव्यांग कलाकारों द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन एक मनोरंजक और अनुपम अनुभव है।

INTRODUCTION

The Department of Empowerment of Persons with Disabilities, Ministry of Social Justice & Empowerment, organised 'Divya Kala Shakti: Witnessing Ability in Disability', a unique cultural event at Rashtrapati Bhawan on 18 th April, 2019 in the esteemed presence of the Hon'ble President of India. The same event was again organised on 23rd July, 2019 at Balayogi Auditorium, Parliament Library Building in the august presence of the Hon'ble President, Hon'ble Vice President, Hon'ble Prime Minister, Hon'ble Speaker of Lok Sabha, Hon'ble Union Minister (SJ&E) and Hon'ble Members of Parliament.

The Divyang artistes who participated in the event through their music - vocal and instrumental, as well as dances - classical, folk and modern, kept the audience spell bound by their excellent performance.

Their exhilarating and engaging performance has been one of the best examples of showcasing the indomitable spirit of human beings despite their limitations. The display of their talents, both in groups and individually, was par-excellence.

A riveting and unparalleled experience of witnessing an outstanding performance by Divyang artistes.

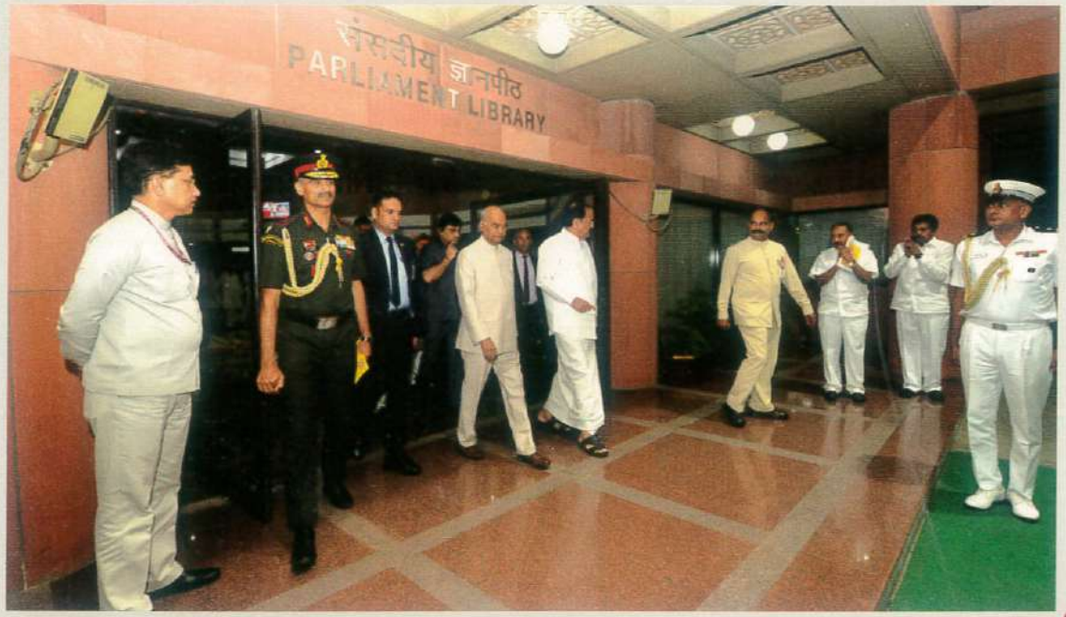

Welcoming the Dignitaries

तीन दृष्टिबाधित दिव्यांग
विद्यार्थियों द्वारा एक सांकेतिक
भाषा के दुभाषिए
के साथ कार्यक्रम
का संचालन

Anchoring by
three visually impaired
Divyang students
accompanied by a
sign language
interpreter

Contents

Page No.

Music

1. National Anthem in Sign Language 1
2. Divyang Playing on Keyboard 2-3
3. Two Divyang Sisters 4-5
4. Divyang Youth Sings 6-7
5. Meera Bhajan 8-9

Classical Dance

6. Ganesh Vandana 10-11
7. Durga Slays Demon 12-15
8. Kathak Dancing all the way 16-19
9. Manipuri Dance 20-21
10. Andal Marriage 22-23
11. Where there is a wheel, there is a way 24-27

North East Folk

12. Harvesting in Meghalaya 28-29
13. Nagas Spinning Cotton 30-31
14. Enjoy Nepali Folk 32-33
15. Assamese Bihu Dance 34-37
16. Mizoram Comes Live 38-41
17. Divyang Sports 42-45

Contents

Page No.

	Regional Folk & Modern	
18.	Gujarati Garba Dance	46-49
19.	Rajasthan is Here	50-53
20.	Lavani Dance on My Knees	54-57
21.	Vishnu at Shiva Marriage	58-61
22.	Let's Play Holi Again	62-65
23.	Bhangra Blast	66-69
24.	Take Us Not for Granted	70-73
25.	Tribal Dance	74-75
26.	Eternal Love of Radha Krishna	76-79
27.	Esteemed Dignitaries	80-81
28.	Vote of Thanks by Nishtha jain	82-83
	Other Items	
29.	Interaction with Divyang	84-87
30.	Grand Finale	88-89
31.	Acknowledgements	90-91
32.	Guiding Principles of UNCRPD	92
33.	RPwD Act, 2016	93
34.	List of Participants	94-95
35.	Media Highlights	96-97
36.	Twitter Highlights	98-99

सांकेतिक भाषा में राष्ट्रगान

नाम : (समूह) - अक्षय प्रतिष्ठान, नेशनल एसोसिएशन ऑफ ब्लाइंड, सक्षम, तमन्ना के छात्र

आयु : 11 - 24 वर्ष

स्थान : दिल्ली

दिव्यांगता : श्रवण बाधिता, दृष्टिबाधिता और डाउन सिंड्रोम

भारत का राष्ट्रगान, जो मूल रूप से बांग्ला में लिखा गया है, महान कवि रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा लिखी एवं बाद में स्वरांकित की गई एक कविता के पांच छंदों में से प्रथम है। संविधान सभा द्वारा इसे 24 जनवरी, 1950 को भारतीय राष्ट्रगान के रूप में अंगीकृत किया गया था।

श्रवण, दृष्टि और डाउन सिंड्रोम ग्रस्त पंद्रह कलाकारों द्वारा सांकेतिक भाषा में राष्ट्रगान का गाया जाना एक अत्यंत उल्लेखनीय प्रदर्शन था। उनके प्रस्तुतीकरण से पता चला कि दिव्यांग होने के बावजूद, वे सांकेतिक भाषा की अभिव्यक्ति के माध्यम से राष्ट्रीय गान के गायन में भाग ले सकते हैं। अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से, उन्होंने भरे हुए सभागार में सभी दर्शकों का दिल जीत लिया और भरपूर प्रशंसा प्राप्त

National Anthem in Sign Language

Name : (Group) - Students from Akshaya Pratishthan, National Association of Blind, Saksham, Tamanna

Age : 11- 24 years

Place : Delhi

Disability : Hearing , Visual and Down Syndrome

National Anthem of India, originally written in Bengali, is the first of five stanzas of a poem written and later set to notations by great poet Rabindranath Tagore. It was adopted by the Constituent Assembly as the Indian National Anthem on January 24, 1950.

The National Anthem in Sign Language performed by fifteen artistes, all of whom with hearing, visual and intellectual disabilities, was a remarkable performance. Their rendition showed that notwithstanding their disability, they can participate through the mode of expression of sign language in the singing of the National Anthem. By their impeccable performance, they moved the hearts of the packed auditorium and earned a lot of admiration.

दिव्यांग द्वारा की–बोर्ड पर प्रदर्शन

नाम : (व्यक्तिगत) - सुश्री रिनी भट्टाचार्जी

आयु : 17 वर्ष

स्थान : कोलकाता

दिव्यांगता : गतिविषयक

कोलकाता की सुश्री रिनी भट्टाचार्जी जो गंभीर गतिविषयक दिव्यांगता से ग्रस्त हैं और जिनके दोनों ही हाथ नहीं हैं, उन्होंने केवल एक पैर की नाजुक उंगलियों से की–बोर्ड पर देशभक्ति गीत "सारे जहाँ से अच्छा" की धुन बजाई। एक बहादुर कलाकार की एक निडर छवि; उन्होंने पूर्व में भी प्रतिष्ठित हस्तियों के समक्ष प्रदर्शन किया है।

उन्होंने दिखाया है कि की–बोर्ड बजाने के लिए हाथ और उंगलियों की आवश्यकता नहीं है; उन्होंने एक उदाहरण पेश किया है कि दृढ़ संकल्प और साहस के साथ, हम प्रतिकूल परिस्थितियों को भी अवसर में बदल सकते हैं।

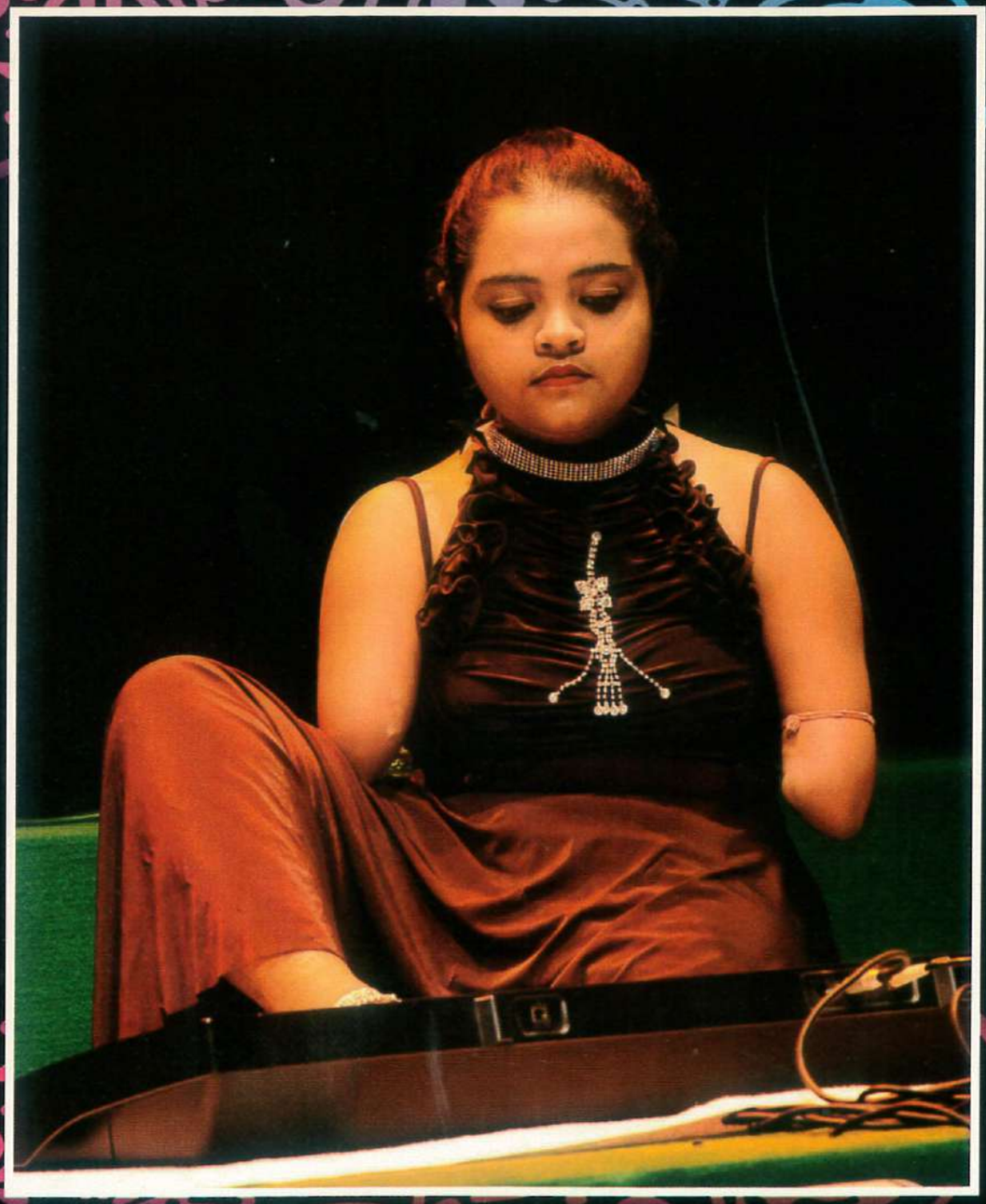

Divyang Playing on Keyboard

Name : (Solo) - Ms. Rini Bhattacharjee

Age : 17 years

Place : Kolkata

Disability : Locomotor

Ms. Rini Bhattacharjee from Kolkata who has severe locomotor disability with no arms, played the keyboard to the tune of the patriotic song 'Sare Jahan Se Achha' by her delicate toes of only one foot. A doughty image of a brave artist, she has performed in the past in the presence of distinguished personalities.

She showed that hands and fingers are not necessary to play on the keyboards. She has set an example that with determination and courage, we can convert adversity into opportunity.

Radel

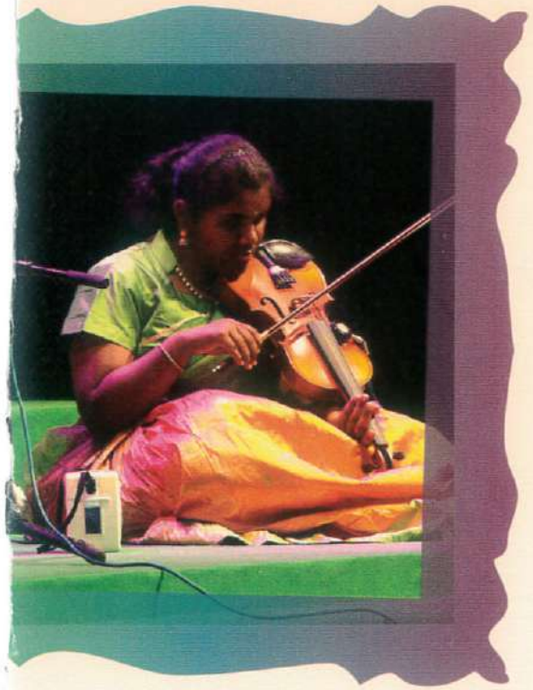

दो दिव्यांग बहनें

नाम : (समूह) – सुश्री कनिमोनी एस और
सुश्री के. ज्योति

उम्र : 18 वर्ष

स्थान : केरल और तमिलनाडु

दिव्यांगता : एकाधिक दिव्यांगता, दृष्टिहीनता और गतिविषयक (लोकोमोटर)

उनके शास्त्रीय गीत को सुनकर दर्शकों को यह विश्वास नहीं हो पा रहा था कि गंभीर गतिविषयक (लोकोमोटर) दिव्यांगता से ग्रसित 18 वर्षीय केरल की सुश्री कनिमोनी, तमिलनाडु की एक प्रसिद्ध वादय गायिका सुश्री ज्योति के साथ एक अत्यंत जटिल शास्त्रीय गीत गा रही थीं, जो कि जन्म से ही नेत्रहीन और मानसिक मंदता से ग्रस्त है। वह एक प्रतिभाशाली वायलिन वादक और पियानोवादक के रुप में एक प्रशिक्षित गायिका हैं।

सुश्री कनिमोनी ने खरकाहप्रिया में राम, सीता और लक्ष्मण के बारे में एक गीत पक्कनिलाबड़ी का प्रदर्शन किया। सुश्री ज्योति ने अपने संगीतकार होने के सपने को सच करने के लिए अपनी दिव्यांगता पर विजय पाते हुए वायलिन बजाया। दोनों ने दिखा दिया कि उत्कृष्टता प्राप्त करने में दिव्यांगता कोई बाधा नहीं है।

Two Divyang Sisters

Names : (Group) - Ms. Kanmoni. S and Ms. K. Jyothi

Age : 18 years

Place : Kerala and Tamilnadu

Disability : Multiple, Visual and Locomotor

Listening to the classical song, the audience could not believe that Ms. Kanimoni from Kerala, aged 18 years with severe locomotor disability was singing a highly complex classical song accompanied by Ms. Jyothi, a talented instrumentalist of the same age from Tamilnadu who has been visually and mentally impaired since birth. She is a trained vocalist as also a talented violinist and pianist.

Ms. Kanimoni performed the song "Pakkanilabadi" in Kharakahapriya, a song about Sri Ram, Sita and Lakshman. Ms. Jyothi played the violin overcoming her disability to achieve her dream of being a musician. The duo showed that disability is not a barrier in achieving excellence.

एक दिव्यांग युवक का संगीत

नाम : (व्यक्तिगत) - श्री महर्षि मंडल

उम्र : 25 वर्ष

स्थान : दिल्ली

दिव्यांगता : प्रमस्तिष्क घात

स्वर्गीय श्री भूपेन हज़ारिका के गीत 'मानुष मानुषेर जोन्ने' पर महर्षि का एकल प्रदर्शन, मंत्रमुग्ध करने वाला और मनोरम था तथा इस गीत के सार ने सीधे मन के तार को छू लिया।

गीत के बोल को भी उसके प्रासंगिक अर्थों में समझने कि आवश्यकता थी क्योंकि इस गीत में मानवता को संकीर्ण दृष्टिकोण से बाहर निकलकर सार्वभौमिक मानवीय संबंधों के लिए सहानुभूति एवं प्रेम विकसित करने का आग्रह किया गया।

Divyang Youth Sings

Name: (Individual)- Mr. Maharshi Mandal

Age: 25 years

Place: Delhi

Disability: Cerebral Palsy

Maharshi's solo performance of the song 'Manush Manushar Joanne' of late Shri Bhupen Hazarika, was enthralling and captivating and the essence of the song directly touched the inner chord of the heart.

The lyrics of the song were also to be comprehended and understood in its contextual sense, as it urged humanity to outgrow narrow perspectives and develop empathy and love for universal human bonding.

मीरा भजन

नाम : (समूह) - आदर्श विद्यालय, राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान (एनआईईपीवीडी)

आयु : 13-41 वर्ष

स्थान : देहरादून

दिव्यांगता : दृष्टिबाधिता

छह दृष्टिबाधित छात्रों की एक टीम ने मीरा भजनों की प्रस्तुति के माध्यम से एक आध्यात्मिक वातावरण तैयार किया।

उनके साथ दे रहे राजू सिंह जी ने पूर्णतः दृष्टिबाधित होने के बावजूद प्रवीणता से बांसुरी बजाई। ऑटिज्म विकार से ग्रस्त दिल्ली के एक युवा बालक संयम वर्मा ने टीम के अन्य सदस्यों के साथ बेहतरीन तालमेल बैठाते हुए बड़ी सहजता से तबला बजाया।

ये छात्र आदर्श विद्यालय, देहरादून में विभिन्न व्यावसायिक कौशल प्राप्त कर रहे हैं।

Meera Bhajan

Name : (Group) - Adarsh Vidyalaya, National Institute for the Empowerment of Persons with Visual Disabilities (NIEPVD)

Age : 13-41 years

Place : Dehradun

Disability : Visual

A team of six visually impaired students ushered in a spiritual air through their rendering of Meera Bhajan.

They were accompanied by Mr. Raju Singh who played the flute perfectly even though he was fully visually impaired. A young boy, Master Saiyam Verma from Delhi with autism was seen playing the tabla with ease, matching the other members of his team.

These students are pursuing various vocational skills in Adarsh Vidyalaya, Dehradun.

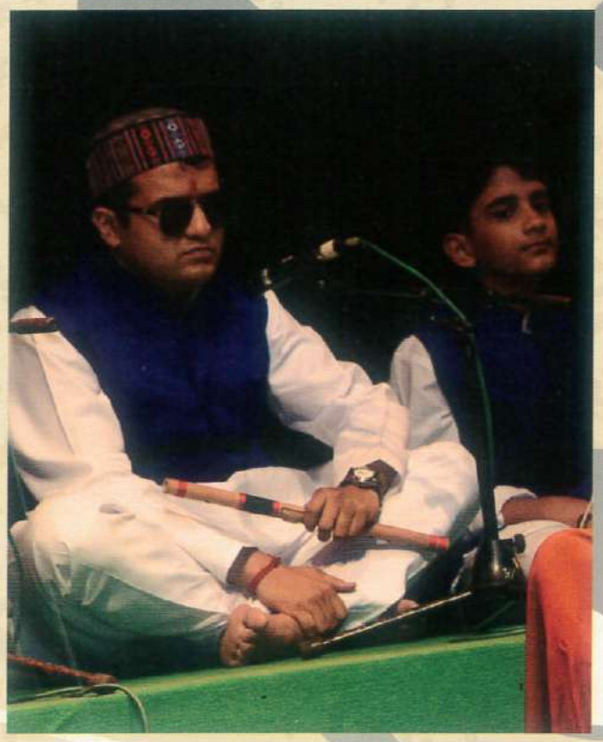

'पायो जी मैंने राम रतन धन पायो'

'Payo Ji Maine Ram Ratan Dhan Payo'

गणेश वंदना

नाम : (समूह) - अल्पना ग्रुप के छात्र

आयु : 13-21 वर्ष

स्थान : दिल्ली

दिव्यांगता : एकाधिक, श्रवण बाधित, बौद्धिक

दस दिव्यांग बच्चों द्वारा गणेश वंदना के एक लोकप्रिय गीत 'एक दंताय वक्रतुंडाय' पर किया गया यह शास्त्रीय नृत्य इस तर्क को गलत साबित करता है कि कला और संगीत को समझने के लिए कान और दिमाग का होना जरूरी है। इस समूह के डाउन सिंड्रोम ग्रस्त श्री कारोक विश्वास ने इसी धुन पर भरतनाट्यम भी किया।

Ganesh Vandana

Name: (Group) - Students from ALPANA Group
Age : 13 - 21 years
Place : Delhi
Disability : Multiple, Hearing Impaired and Intellectual

This classical dance 'Ganesh Vandana' performed to the beats on a popular song 'Ekadantaya Vakratundaya' by ten Divyang children defies the logic that ears and brains are required to comprehend art and music. Performing in this group was Mr. Karok Biswas with Down Syndrome, who performed the Bharatnatyam to the same tune.

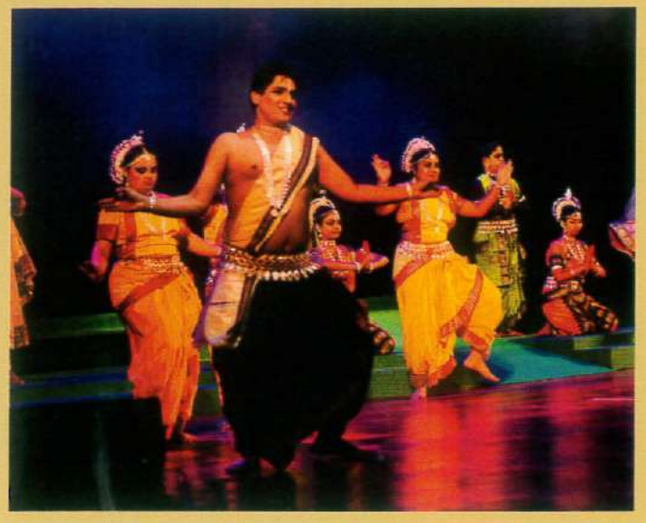

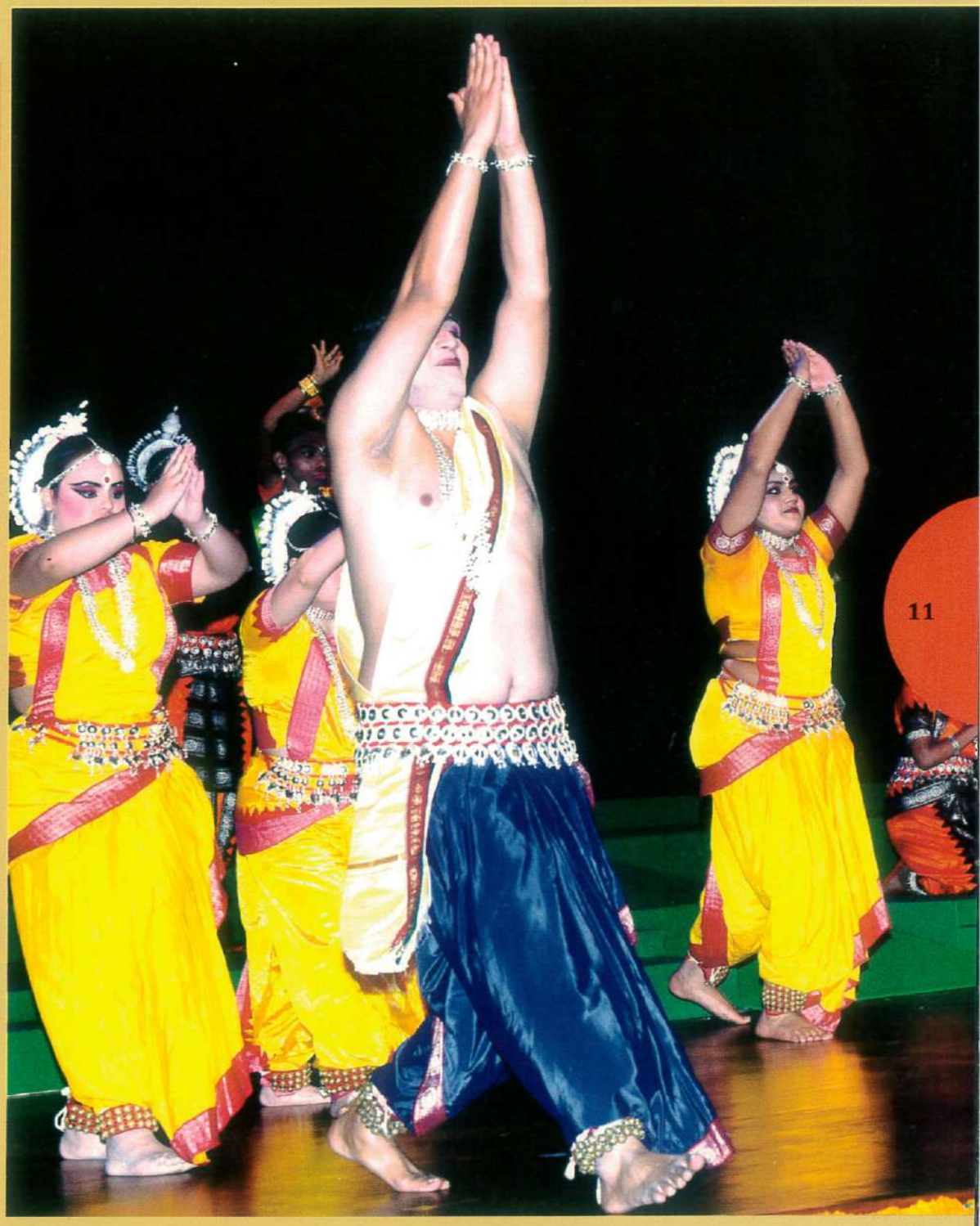

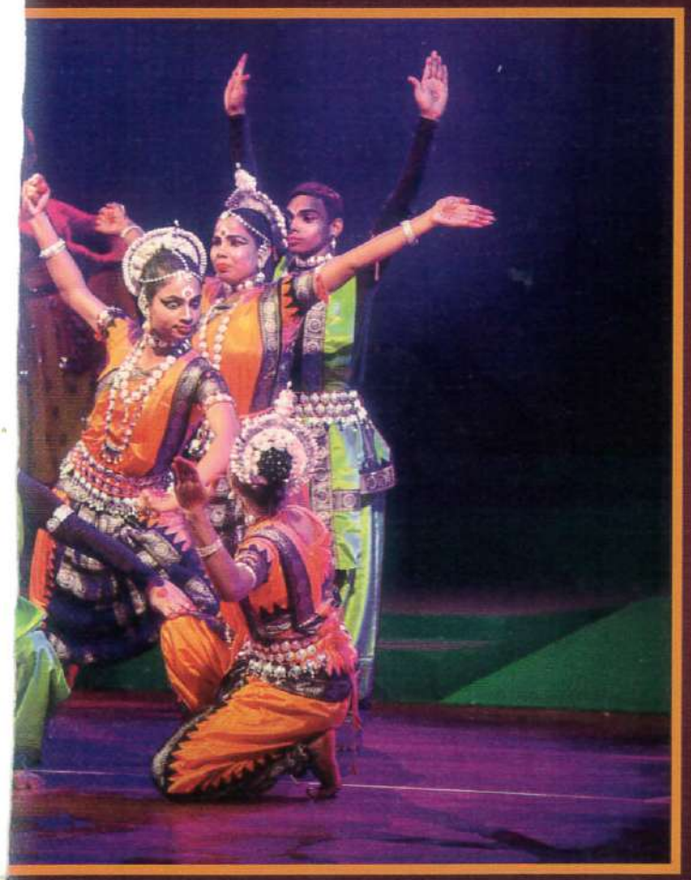

दुर्गा द्वारा राक्षसों का वध

नाम : (समूह) - राष्ट्रीय बौद्धिक दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान (एनआईईपीआईडी) के छात्र

आयु : 14-18 वर्ष

स्थान : सिकंदराबाद

दिव्यांगता : श्रवण, बौद्धिक और प्रमस्तिष्क घात

ओडिशा से आए बौद्धिक दिव्यांगता और प्रमस्तिष्क घात से ग्रस्त आठ युवाओं के समूह ने शास्त्रीय ओडिशी नृत्य प्रस्तुत किया। नृत्य का विषय देवी दुर्गा का स्तोत्र 'अइगिरि नन्दिनी.... मेदिनी' था।

मंच, दुर्गा द्वारा राक्षस के वध के दृश्य से कंपकपा रहा था। हाथ में त्रिशूल लिए उनके उग्र रूप ने चारों ओर गर्जना और थरथराहट को बढ़ा दिया। घटना को साकार रूप देने और अपनी अभिव्यक्ति में इन बच्चों ने कोई कसर नहीं छोड़ी। सचमुच अत्यंत प्रेरणा दायक!

Durga Slays Demon

Name : (Group) - Students from National Institute for the Empowerment of Persons with Intellectual Disabilities (NIEPID)

Age : 14 - 18 years

Place : Secunderabad

Disability : Hearing Intellectual and Cerebral Palsy

A classical Odissi dance was performed by a group of eight youth from Odisha with intellectual disability and cerebral palsy. The theme of the dance was 'Ayigiri Nandini... Medini', stotra of Goddess Durga.

The stage was magnified with Durga slaying the demon, her fiery expression with Trishul in hand magnified by thunder and tremor around. These children did not lack in expression as well as action. Truly inspirational!

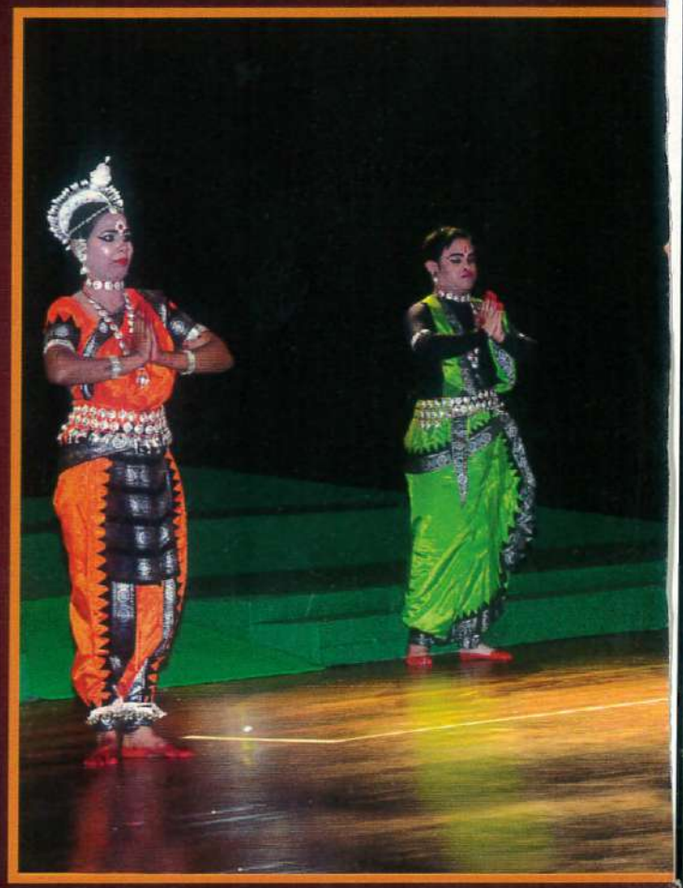

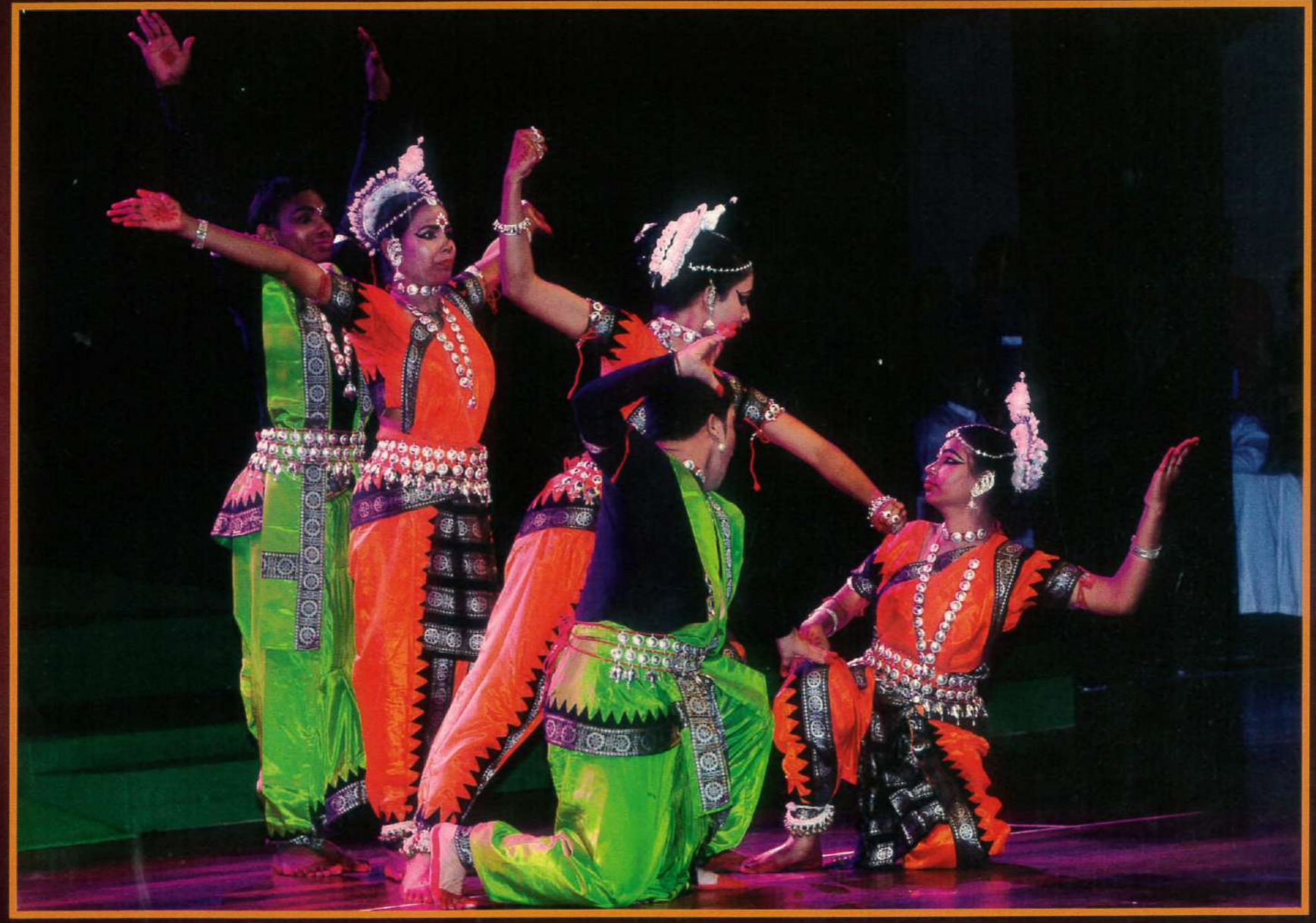

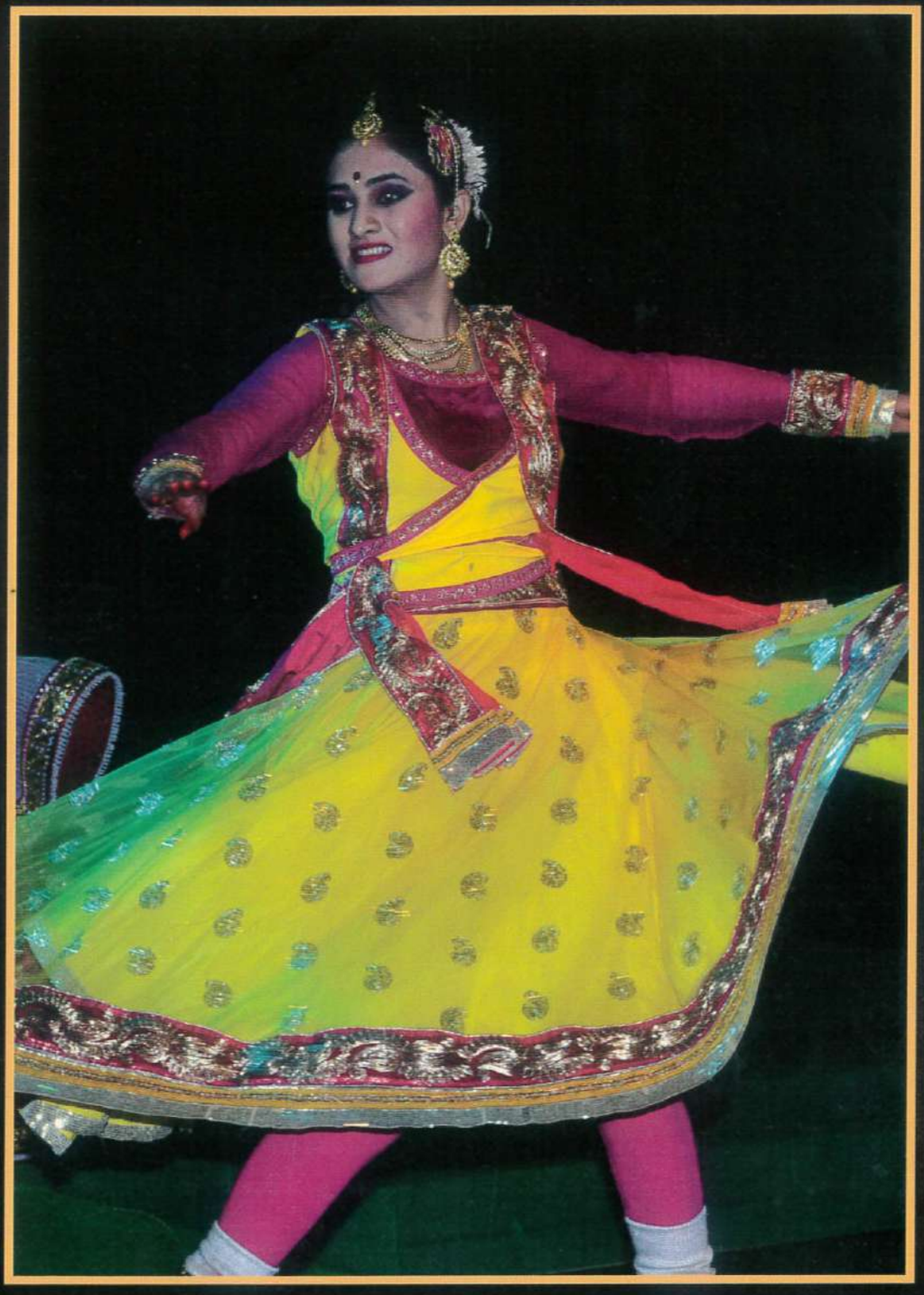

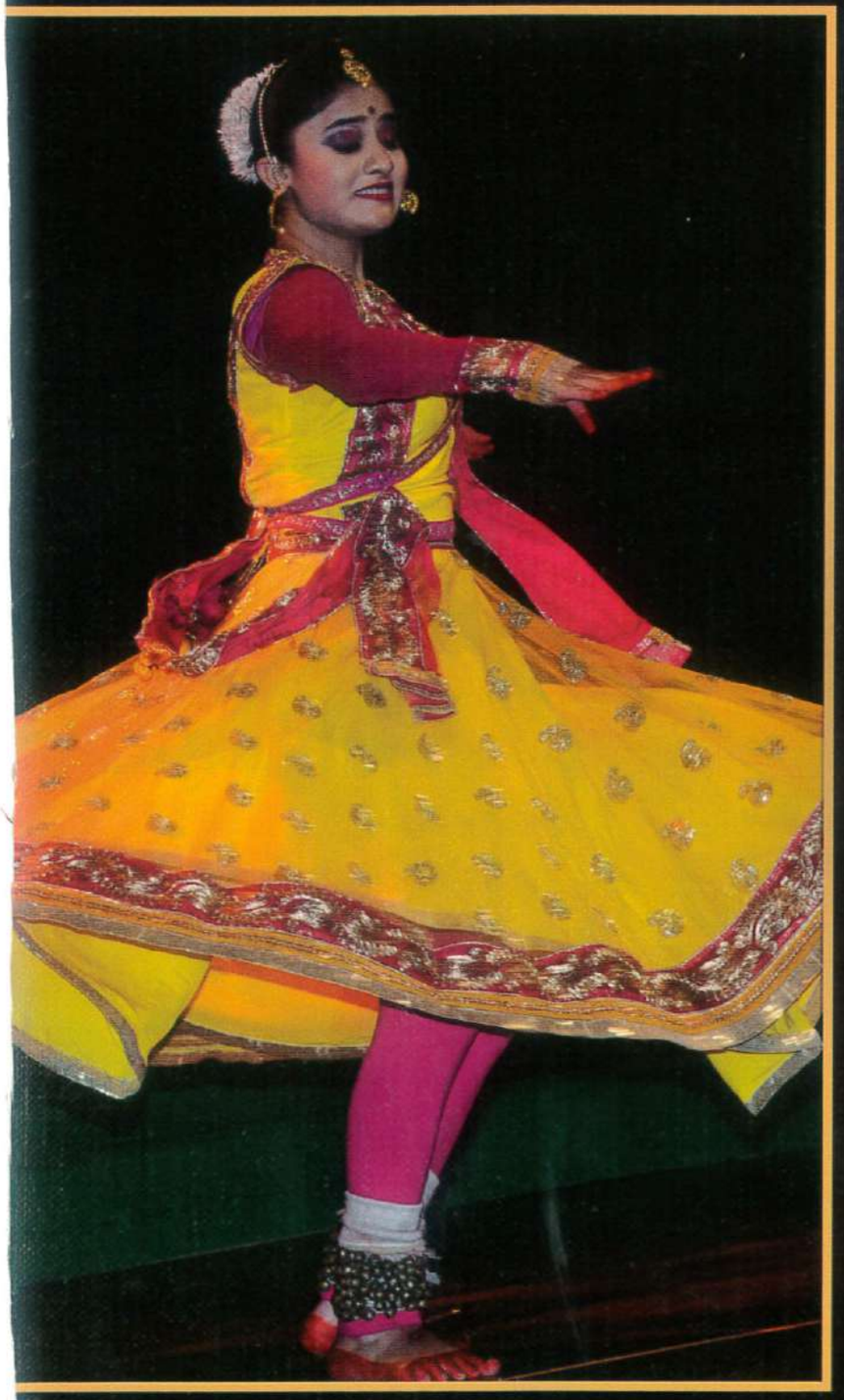

पूर्णतया कथक – नृत्य

नाम : (व्यक्तिगत) – सुश्री बुलबुल पंजरे

आयु : 19 वर्ष

स्थान : इंदौर

दिव्यांगता : श्रवण बाधिता

श्रवण बाधित कथक नृत्यांगना सुश्री बुलबुल पंजरे, इंदौर की एक 19 वर्षीया छात्रा हैं। उनकी गुरु मां अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त कथक नृत्यांगना, डॉ. रागिनी मक्खड़ हैं।

श्रवण बाधित होने के बावजूद बुलबुल की निपुण भंगिमाओं और उनके तेज और सुंदर कदमताल ने संगीत और वायु तरंगों की लय से ताल मिलाया।

दर्शकगण विस्मित थे।

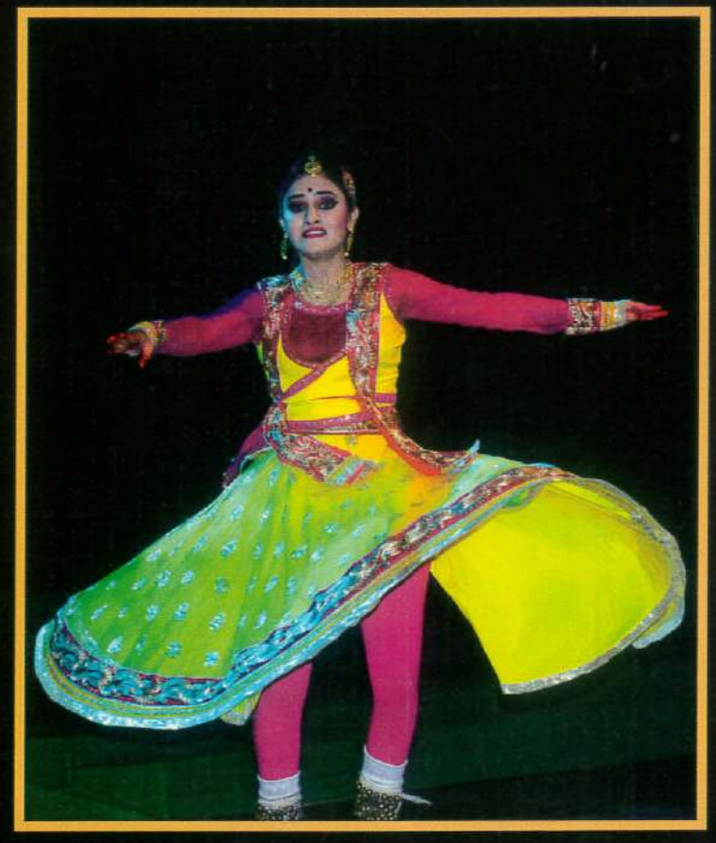

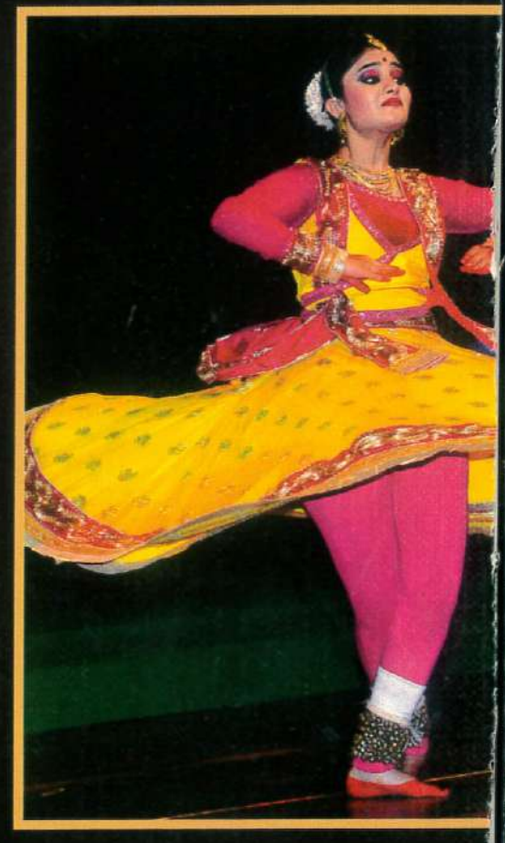

Kathak dancing all the way

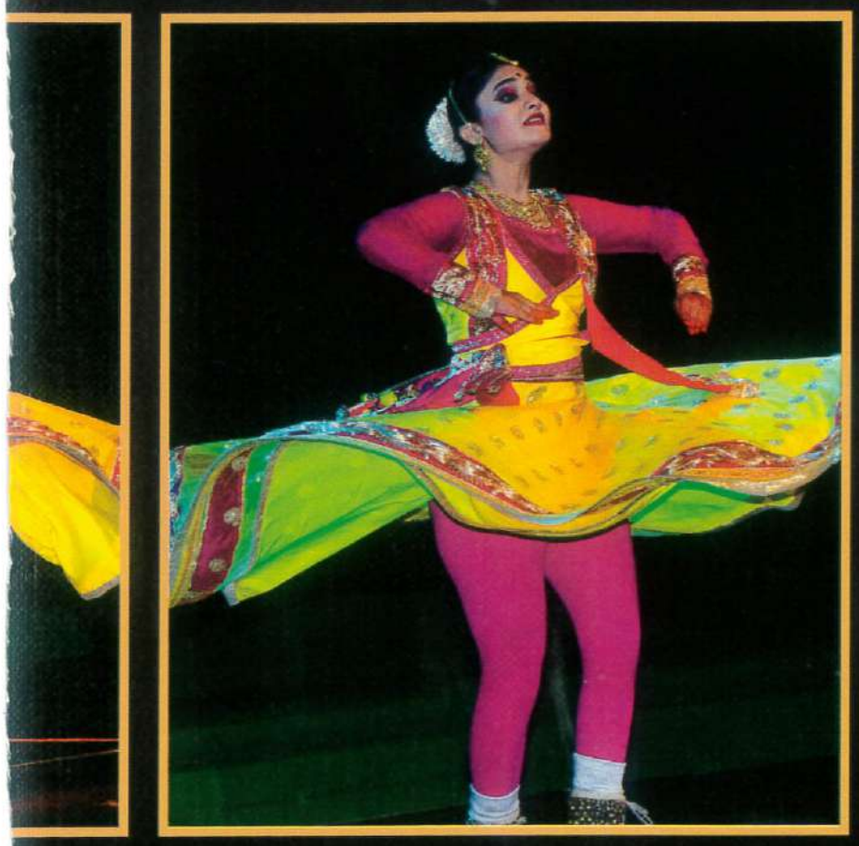

Name : (Solo) - Ms. Bulbul Panjre

Age :19 years

Place : Indore

Disability : Hearing

The hearing impaired Kathak dancer,
Ms. Bulbul Panjre is a 19-year-old student from Indore.
Her Guru is the international Kathak dancer,
Guru Maa Dr. Ragini Makkhar.

Bulbul's brisk and graceful footwork and her dexterous movements, matched her footsteps to the feel of music and airwaves despite being hearing impaired.
The audience was filled with amazement.

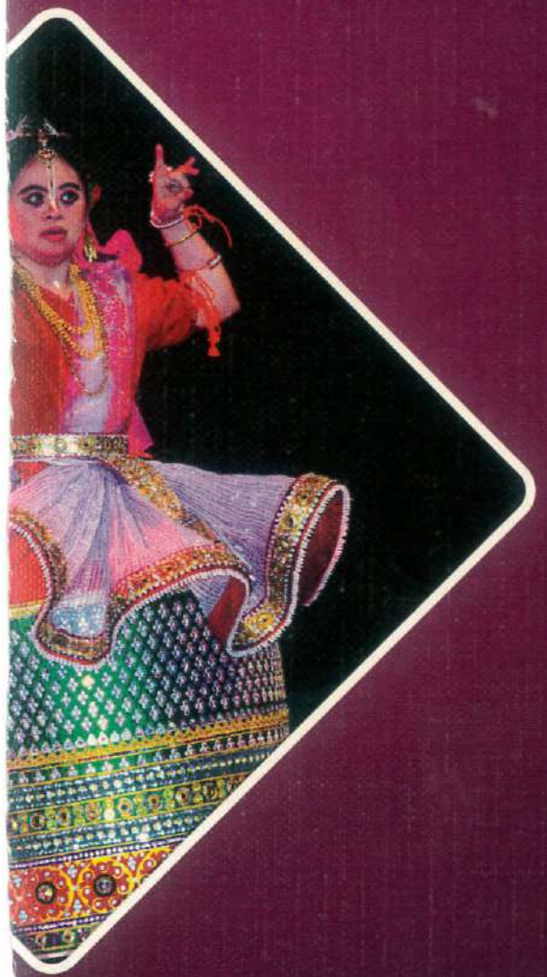

मणिपुरी नृत्य

नाम : (व्यक्तिगत) – सुश्री डायना देवी

आयु : 31 वर्ष

स्थान : मणिपुर

दिव्यांगता : डाउन सिंड्रोम

डाउन सिंड्रोम ग्रस्त मणिपुर की 31 वर्षीया सुश्री निंगथौजाम डायना देवी ने रासलीला के एक उद्धरण 'कृष्ण रूपशखियुक्ति' का प्रदर्शन किया। उपयोग किए गए ताल 'चालीताल' थे, और 'लास्या' में टंचप निष्पादित किया गया था, इसमें रस 'श्रृंगार' था। उन्होंने अपना भावपूर्ण मुखमंडल और अपने हाथों और पैरों के तालमेल से निपुणता के साथ प्रदर्शन किया। ताल और लास्या में उनके प्रयास सटीक थे। दर्शक उनकी सुंदर अभिव्यक्ति में इतना खो गए कि उनकी दिव्यांगता गौण हो गई।

Manipuri Dance

Name : (Solo) - Ms. Daina Devi

Age : 31 years

Place : Manipur

Disability : Down Syndrome

Ms. Ningthoujam Daina Devi, aged 31 years from Manipur with Down Syndrome performed 'Krishna Roopshakhiukti', an extract of the Raaslila. The talas used were 'Chalital', and Tanchap executed in 'Lasya', the rasa was 'Sringar'.

She performed with her expressive face and alacrity with her hands and feet. Her efforts in Tala and Lasya were perfect. The audience got so engaged in her beautiful expression that her disability got attenuated.

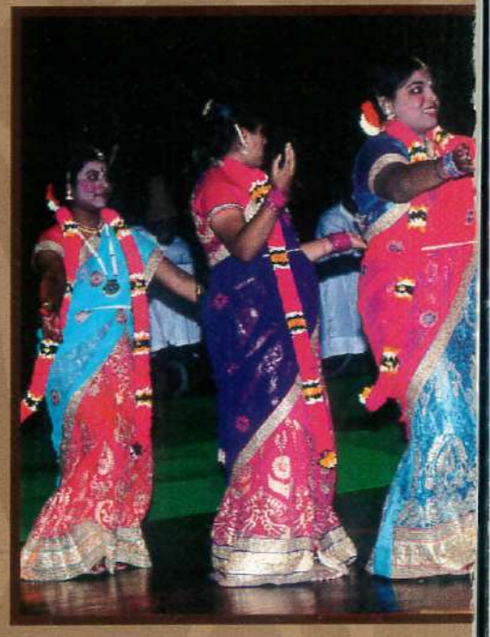

अंडाल विवाह

नाम : (समूह)–संकल्प लर्निंग सेंटर के छात्र

आयु : 14 – 20 वर्ष

स्थान : चेन्नई

दिव्यांगता : बौद्धिक और विकास संबंधी

चेन्नई के बौद्धिक और विकासात्मक दिव्यांग बच्चों ने दर्शकों को देवी कोथाई (अंडाल) और भगवान विष्णु के पवित्र विवाह का साक्षी बनाया। उनके 'माला सतरीनाल' नृत्य गीत में विवाह के आनन्ददायक क्षणों का वर्णन किया गया।

इन बच्चों ने पुरोहितों और भगवान विष्णु के मित्रों के रूप में प्रेम और खुशी के साथ उनका स्तुतिगान करते हुए और उन्हें आशीर्वाद देते हुए नृत्य किया।

Andal Marriage

Name : (Group) - Students from Sankalp Learning Center

Age : 14-20 years

Place : Chennai

Disability : Intellectual and Developmental

Children with intellectual and developmental disabilities from Chennai led the audience to witness the holy wedding of Goddess Kothai (Andal) and Lord Vishnu. Their dance song 'Maala Satrinaal' described the fun-filled moments of the marriage.

These children danced as priests and friends of Lord Vishnu, praising and blessing him with love and joy.

जहाँ पहिया, वहाँ राह

नाम : (समूह)– आमद डांस सेंटर के छात्र

आय : 23 – 27 वर्ष

स्थान : दिल्ली

दिव्यांगता : गतिविषयक

भक्तिपूर्ण प्रदर्शन, व्हीलचेयर पर विभिन्न कोणों में रहस्यमयी घुमावदार गतिशीलता ने वातावरण को जगमग कर दिया। ऐसा लगता था मानो कलाकारों ने दर्शकों को उनके आस–पास का वातावरण लगभग भुलवाकर दिव्य शक्ति से जोड़ दिया। चूंकि भक्ति और सूफीवाद भारतीय सांस्कृतिक इतिहास की उदार और तर्कसंगत भावना के सार हैं, भक्तजन महान सूफी मौला हजरत ख़्वाज़ा गरीब नवाज़ की दरगाह पर प्रार्थना कर रहे थे।

इसमें ईश्वरीय सत्ता के साथ एकात्म हो जाने के पलों को दर्शाया गया, जब भक्तजन अपने भौतिक शरीर से ऊपर उठ जाता है और सांसारिक इच्छाओं को भूलकर ईश्वरीय सत्ता के साथ आध्यात्मिक रूप से जुड़ जाता है।

Where there is a wheel, there is a way

Name : (Group) - Students from Aamad Dance Centre

Age : 23 - 27 years

Place : Delhi

Disability : Locomotor

The devotional performance, moving on wheelchairs with the mystique whirl in different angles, electrified the atmosphere. They almost seemed to make the audience forget their surroundings and connect with the Divine. Bhakti and Sufism being the essence of liberal and rational spirit of Indian Cultural History, the devotees were praying to the great Sufi Master Hazrat Khwaji Garib Nawaz's shrine (dargah).

It depicts the unifying moment with the divine when the devotee transcends his material existence and forgets worldly desires and experiences the spiritual union with the Divine.

मेघालय में फसल कटाई का समय

Harvesting in Meghalaya

नाम : (समूह)– पेरेंट्स एसोसिएशन फॉर डिसेबल्ड

आयु : 11 – 42 वर्ष

स्थान : शिलांग

दिव्यांगता : बौद्धिक एंव बहुदिव्यांगता

मेघालय के बौद्धिक एवं बहुदिव्यांग छात्रों ने अच्छी पैदावार के लिए प्रकृति माता का आभार व्यक्त करते हुए एक रंगारग 'खासी' नृत्य प्रस्तुत किया।

रंगीन वेशभूषा और बहुमूल्य आभूषणों से विभूषित महिलाओं की प्रफुल्लित प्रतिभागिता ने उनकी गंभीर दिव्यांगताओं को सामने नहीं आने दिया। पुरूषों ने दर्शकों की खुशी के लिए ढोल और बांसुरी के साथ, अपना सफेद रूमाल लहराया।

Name : (Group) - Parents Association for Disabled

Age : 11-42 years

Place : Shillong

Disability : Intellectual and Multiple

Eight Students with intellectual and multiple disabilities from Meghalaya put up a colourful 'Khasi' Dance thanking Mother Nature for a good harvest.

The cheerful participation of women adorned with colourful costumes and rich ornaments did not betray their severe disabled conditions. The menfolk, accompanied by drums and flutes, waved their white handkerchief to the delight of the audience.

नागा लोगों द्वारा रुई कताई

नाम : (समूह)– स्वदेशी सांस्कृतिक समाज
आयु : 15 से 22 वर्ष
स्थान : दीमापुर
दिव्यांगता : गतिविषयक, श्रवण, निम्न दृष्टि

नागालैंड के गतिविषयक दिव्यांगता, निम्न दृष्टि एवं श्रवण बाधित 07 (सात) छात्रों ने रूई की कताई एवं बुनाई का वर्णन करते हुए लोक नृत्य प्रस्तुत किया। उन्होंने मोहक लय और आपसी तालमेल करते हुए अपने दैनिक कार्यों का प्रदर्शन किया जिसने दर्शकों को मोहित कर दिया।

Nagas Spinning Cotton

Name : (Individual/Group) - Indigenous Cultural
Age : 15 - 22 years
Place : Dimapur
Disability : Locomotor, Hearing and Low Vision

Seven students with locomotor disabilities, low vision and hearing impairment from Nagaland performed a folk dance describing the spinning of cotton. They depicted their daily chores with graceful movements and team work that captivated the viewers.

सिक्किम के दिव्यांग छात्रों द्वारा नेपाली लोक नृत्य

Enjoy Nepali Folk

नाम : (व्यक्तिगत / समूह)– स्पास्टिक सोसाइटी ऑफ सिक्किम

आयु : 19 से 22 वर्ष

स्थान : गंगटोक

दिव्यांगता : बहु दिव्यांगता (श्रवण एवं बौद्धिक)

स्पास्टिक सोसाइटी ऑफ सिक्किम के दो कलाकारों ने, नेपाली नृत्य प्रस्तुत किया। दोनों श्रवण और बौद्धिक दिव्यांगता ग्रस्त हैं।

बच्चे एक ऐसे संगीत की धुन पर नाच रहे थे जिसे वे आसानी से समझ नहीं सकते थे, परंतु सटीक हाव भाव, मनोभावों और मुद्राओं के साथ वे बढ़िया तालमेल बिठा रहे थे।

Name : (Individual/Group)- Spastic Society of Sikkim

Age : 19-22 years

Place : Gangtok

Disability : Intellectual

Two artists from the Spastic Society of Sikkim performed a Nepalese dance.

The children were dancing to the tune of music which they could not easily comprehend but performed in sync with perfect gestures, emotions and expressions.

असम का बिहू नृत्य

Assamese Bihu Dance

नाम : (व्यक्तिगत / समूह) – आशादीप
मानसिक स्वास्थ्य सोसायटी
उम्र : 17–37 वर्ष
स्थान : असम
दिव्यांगता : बौद्धिक

बौद्धिक दिव्यांगता वाले बारह बच्चों ने असम राज्य में अच्छी फसल का जश्न मनाने वाले नृत्य का प्रदर्शन किया। इस बिहू नृत्य ने दर्शकों के समक्ष स्थानीय संस्कृति की झलक प्रस्तुत की और संगीत की धुन पर नृत्य करने वाले बच्चों की प्रतिभा को उजागर किया जिसने दर्शकों को आनंदित कर दिया।

उनकी बौद्धिक दिव्यांगता ने उत्कृष्टता हासिल करने के मार्ग में उनकी प्रतिभा पर किसी भी प्रकार से रुकावट नहीं डाली।

Name : (Individual/Group)- Ashadeep Mental Health Society

Age : 17 - 37 years

Place : Assam

Disability : Intellectual

The dance celebrating a good harvest in the State of Assam was performed by twelve children with intellectual disabilities. This Bihu dance brought before the audience, the local flavor and the talent of the children who danced to the rhythm of music bringing pleasure to the spectators.

The intellectual disability did not curb their talent for achieving excellence.

जीवंत मिजोरम

नाम : (समूह)– गिलियड स्पेशल स्कूल फॉर दी मल्टी हैंडिकैप्ड के छात्र

आयु : 16 से 28 वर्ष

स्थान : आईजोल

दिव्यांगता : बौद्धिक

बौद्धिक दिव्यांगता वाले छह कलाकारों ने मिजोरम के लोकनृत्य चेहलाम का प्रदर्शन किया। एक लयबद्ध प्रदर्शन के माध्यम से अपनी कलात्मक प्रतिभा को दर्शाने के उनके प्रयासों को उनकी दिव्यांगता कम नही कर पाई।

Mizoram Comes Live

Name : (Group) - Students from Gilead Special School for the Multi-Handicapped

Age : 16 - 28 years

Place : Aizwal

Disability : Intellectual

The Chheih Lam, the folk dance of Mizoram, was performed by six artists with intellectual disability. The disability could not curb their efforts for showcasing their artistic talent through a beautiful display of a rhythmic performance.

दिव्यांग खेल

नाम : (समूह) – आमद डांस सेंटर, दिल्ली स्टेट व्हीलचेयर बास्केटबॉल एसोसिएशन
आयु : 16 से 28 वर्ष
स्थान : दिल्ली
दिव्यांगता : गतिविषयक

दिव्यांग खिलाड़ी स्पेशल ओलंपिक्स, पैरालंपिक्स आदि में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। भारत की ब्लांइड क्रिकेट टीम ने 2017–18 में आयोजित टी–20 क्रिकेट विश्व कप जीता है।

क्या कोई कल्पना कर सकता है कि व्हीलचेयर तक सीमित दिव्यांग बास्केटबाल खेल रहा है? इस प्रदर्शन ने दर्शाया कि दिव्यांग खेल खेलने के साथ साथ अपने जीवन का आनन्द भी उठा सकते हैं।

सुश्री तस्नीम फातिमा, एक राष्ट्रीय व्हीलचेयर बास्केटबाल चैम्पियन के नेतृत्व में व्हीलचेयर तक सीमित छह दिव्यांग बच्चों के एक समूह ने मंच पर बास्केटबाल खेल का प्रदर्शन किया। खेल पर नियन्त्रण और काबू करने को बहुत अच्छी तरह से दर्शाया गया। दिव्यांग की खेल भावना से प्रेरित होकर मंच कुछ समय के लिए एक खेल का मैदान सा बन गया जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

Divyang Sports

Name : (Group) - Aamad Dance Centre, Delhi State Wheelchair Basketball Association
Age : 16 - 28 years
Place : Delhi
Disability : Locomotor

Divyang Sportsmen have been excelling in Special Olympics, Paralympics, etc. The Indian Blind Cricket team won the T-20 World Cup held in 2017-18.

Can anyone imagine wheelchair bound divyang playing basketball with so much ease and accuracy ? This performance demonstrated that divyang can play sports and enjoy their life, too.

A group of six wheelchair bound divyang led by Ms. Tasneem Fathima, a National Wheelchair Basketball Champion, played basketball on the stage. Their control and command of the game was well displayed. The stage seemed to become a playground for some time with the sportive spirit of the divyang, leaving the gracious audience enraptured.

LEAGUE
BASKETBALL
TOP GRIP
LEAGUE
BASKETBALL
TEAM PLAYER

गुजरात गरबा नृत्य

नाम : (समूह) – ब्लाइंड पीपल्स एसोसिएशन

आयु : 16–25 वर्ष

स्थान : अहमदाबाद

दिव्यांगता : दृष्टि एवं गतिविषयक

गरबा शब्द संस्कृत के शब्द 'गर्भ' से लिया गया है। यह एक पारंपरिक नृत्य है जिसका प्रदर्शन नौ दिनों के हिंदू उत्सव 'नवरात्रि' के दौरान किया जाता है।

ब्लाइंड पीपल्स एसोसिएशन, अहमदाबाद, गुजरात की दस नर्तकियों ने गरबा नृत्य का प्रदर्शन किया। कलाकारों में गतिविषियक दिव्यांगता और अल्प–दृष्टि है।

रंगबिरंगी वेशभूषाओं में किए गए इस जोशभरे नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

Gujarati Garba Dance

Name : (Group) - Blind People's Association

Age : 16 - 25 years

Place : Ahmedabad

Disability : Visual and Locomotor

The Garba is derived from the Sanskrit word 'Garbha' (womb). It is a traditional dance which is performed during the nine-day Hindu festival 'Navratri'.

This dance was performed by ten dancers from the Blind People's Association, Ahmedabad, Gujarat. The artistes have locomotor disability and low vision.

The vibrant dance performed in colourful dresses enthralled the audience.

यहाँ राजस्थान मौजूद है

नाम : (समूह) – बलवंत राय मेहता स्कूल
आयु : 12–20 वर्ष
स्थान : दिल्ली
दिव्यांगता : विशिष्ट अधिगम एवं बौद्धिक

बलवंत राय मेहता विद्यालय, दिल्ली के पंद्रह छात्रों ने राजस्थान राज्य के एक लोकप्रिय नृत्य कालबेलिया नृत्य का प्रदर्शन किया। कालबेलिया राजस्थान का एक प्रसिद्ध नृत्य है। यह नृत्य इस क्षेत्र की बंजारा जन–जातिओं द्वारा किया जाता है। मटकों को संभालने के साथ – साथ चंचल भाव भंगिमाओ वाले इस रंगारंग प्रदर्शन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

Rajasthan is Here

Name : (Group) - Balwant Rai Mehta School

Age : 12 - 20 years

Place : Delhi

Disability : Specific Learning and Intellectual

Fifteen students from Balwant Rai Mehta School performed the Kalbeliya dance, a popular dance of the State of Rajasthan. It is performed by the Banjara tribals of the region. The colourful display, together with the agile movements while handling the 'matkas' (pots), left the audience mesmerized.

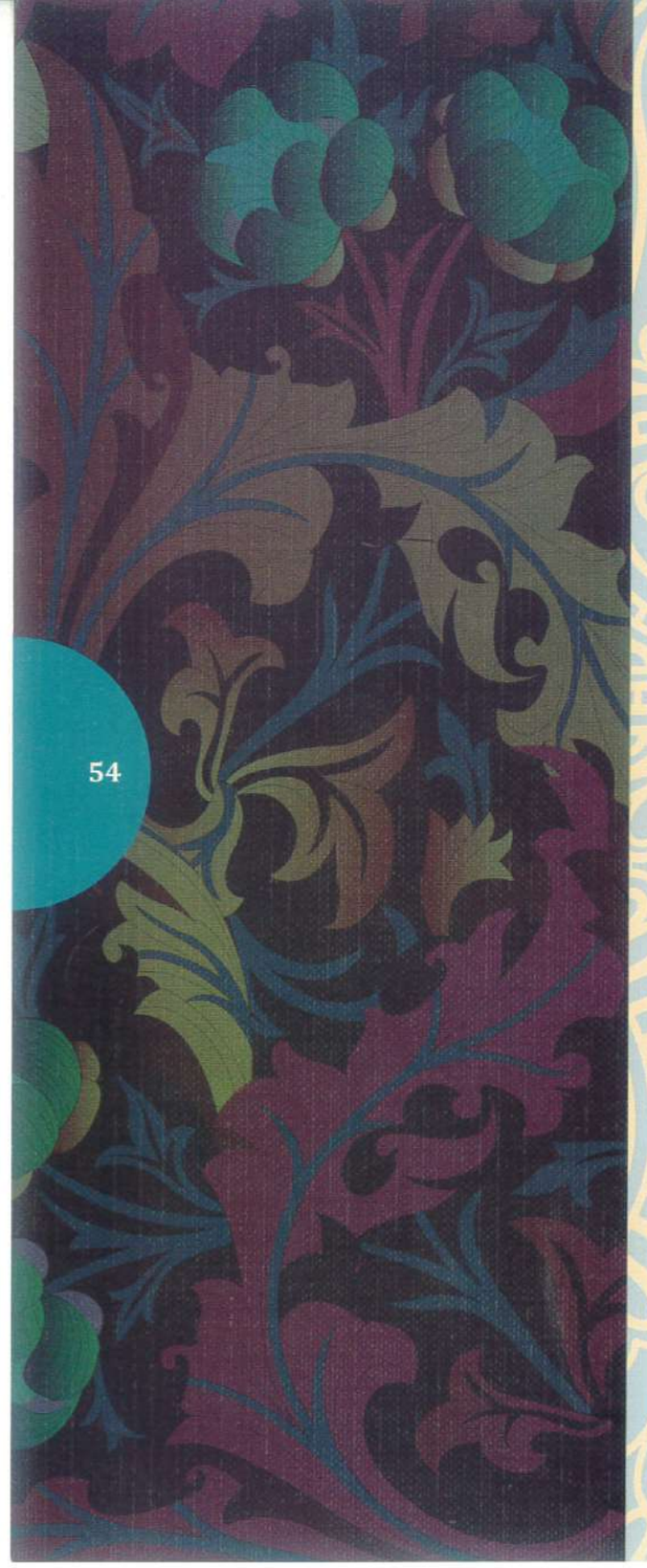

घुटनों के बल पर लावणी नृत्य

नाम : (व्यक्तिगत) – सुश्री जूली कार

आयु : 20 वर्ष

स्थान : कटक

दिव्यांगता : गतिविषयक

ओडिशा की, जन्मजात गंभीर दिव्यांगताओं वाली सुश्री जूली कार ने अपने पैर न होते हुए भी लावणी नृत्य किया। अपने घुटनों का उपयोग करके उन्होंने सभी को यह दिखाया कि नृत्य में तेज गति और घुटनों से भी पैरों का उपयोग किस तरह संभव है। उन्होंने यह साबित करके दर्शकों को अचंभित कर दिया कि किसी भी अंग का सटीक उपयोग कैसे किया जा सकता है।

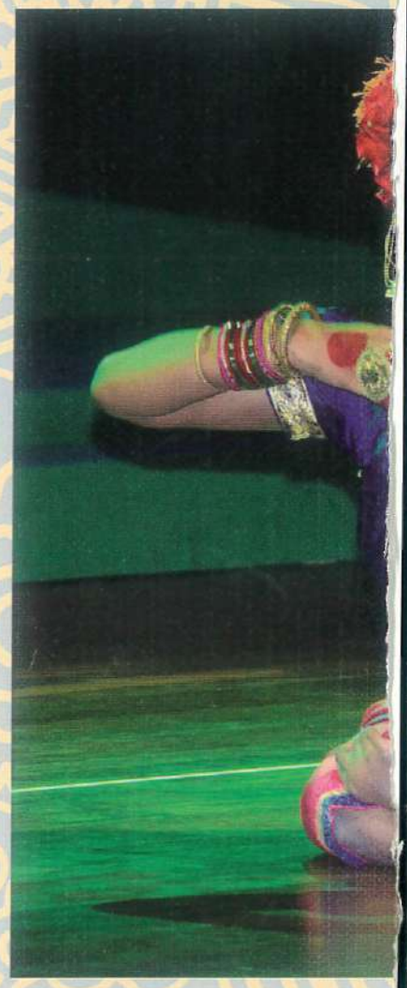

Lavani Dance on My Knees

Name: (Solo) - Ms. Juli Kar

Age: 20 years

Place: Cuttack

Disability: Locomotor

Ms. Juli Kar displayed magic by performing the famous Lavani dance of Maharashtra in the absence of her feet. By use of her knees, she showed everyone how brisk movements and foot articulation in the dance is possible. She surprised the audience by proving that any limb can be put to perfect use.

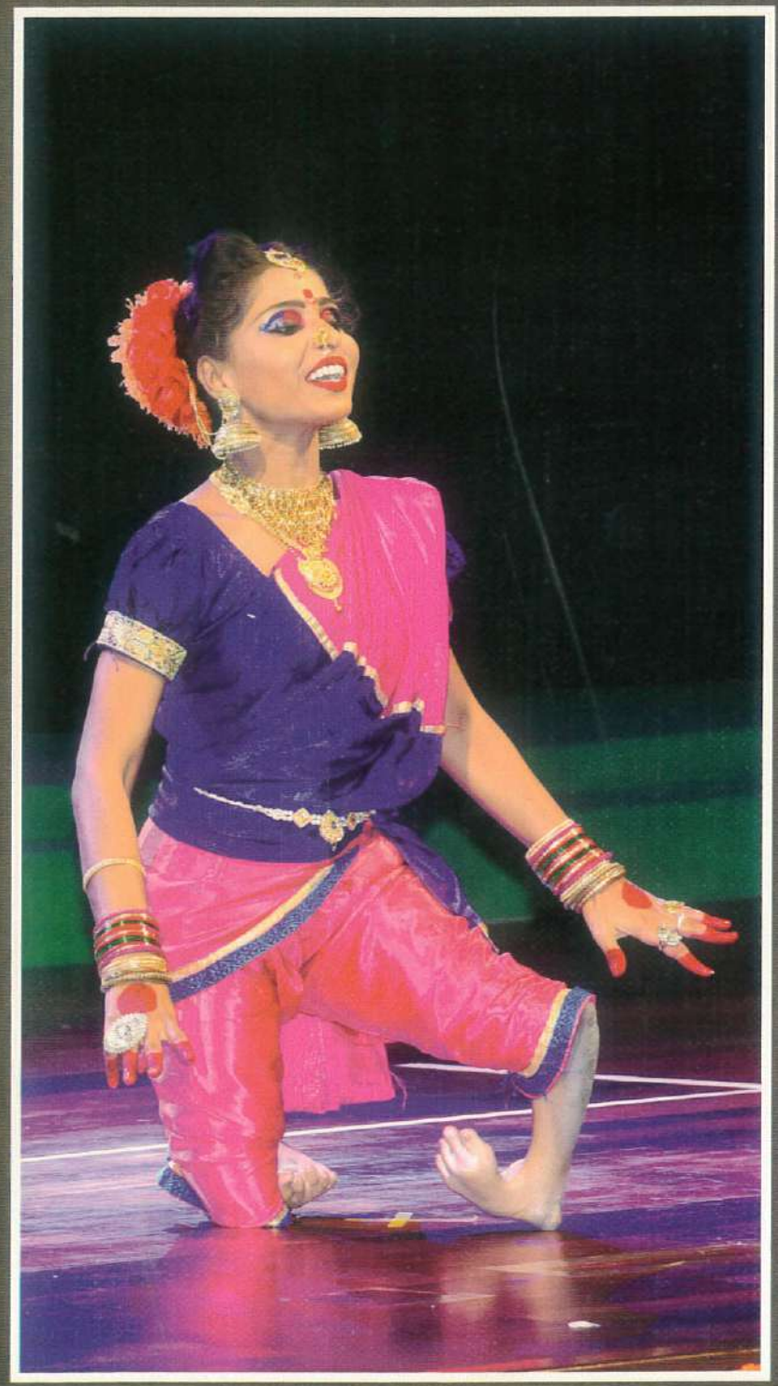

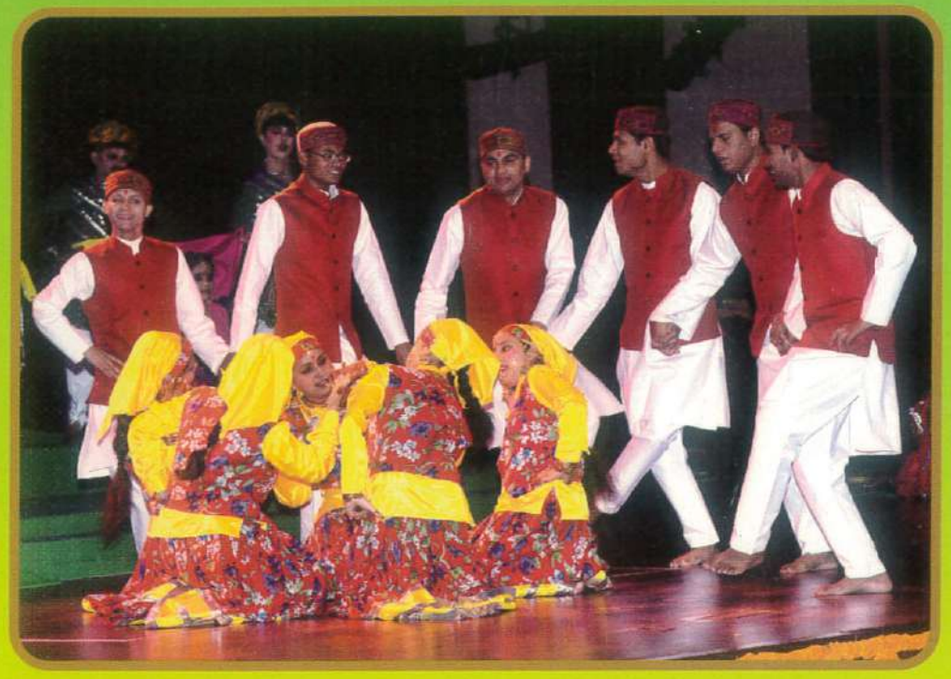

शिव विवाह में विष्णु

नाम : (समूह)–आदर्श विद्यालय, राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान (एनआईईपीवीडी)

आयु : 13 – 41 वर्ष

स्थान : देहरादून

दिव्यांगता : दृष्टि

दृष्टि बाधित ग्यारह पुरुष एवं महिला नर्तकों के समूह द्वारा इस गढ़वाल नृत्य का प्रदर्शन किया गया जिन्होंने पारंपरिक वाद्य यंत्रों जैसे ढोल, थाली, तुरी और ढोलकी के साथ दो समूहों में नृत्य किया। इस पारंपरिक नृत्य का नृत्य संयोजन बड़ी अच्छी तरह से किया गया था और दर्शकों ने इसका पूरा लुत्फ उठाया।

Vishnu at Shiva marriage

Name : (Group) - Adarsh Vidyalaya, National Institute for the Empowerment of Persons with Visual Disabilities (NIEPVD)

Age : 13 - 41 years

Place : Dehradun

Disability : Visual

The Garhwal dance was performed by a group of eleven male and female dancers with visual disability. They danced in two groups with traditional musical instruments like Dhol, Thali, Turi and Dholki. This traditional dance was well choreographed and equally well received by the audience.

आओ फिर होली खेलें

नाम : (समूह)– आल्पना ग्रुप के छात्र

आयु : 13 – 41 वर्ष

स्थान : दिल्ली

दिव्यांगता : बौद्धिक और एकाधिक

आल्पना, दिल्ली के पन्द्रह दिव्यांग छात्रों के एक समूह ने एक लोकप्रिय गीत 'होलिया में उड़े रे गुलाल' पर आधारित एक सुंदर राजस्थानी लोकनृत्य प्रस्तुत किया। कलाकारों में बौद्धिक दिव्यांग बच्चे, डाउन सिंड्रोम और श्रवण बाधित बच्चे भी शामिल थे। उनके प्रदर्शन के माध्यम से हर्ष का भाव और होली की भावना पुनर्जीवित हो गई।

Let's Play Holi Again

Name : (Group)- Students from ALPANA Group

Age : 13-41 years

Place : Delhi

Disability : Intellectual and Multiple

A group of Fifteen Divyang students from ALPANA, Delhi performed a beautiful Rajasthani folk dance based on a popular song 'Holia me udere gulal'. The performers included intellectually impaired children and also those with down syndrome and hearing impairment. The spirit of joy and Holi was revived through their performance.

भांगड़ा धमाका

नाम : (समूह) – अमरज्योति चैरिटेबल ट्रस्ट
आयु : 9–23 वर्ष
स्थान : दिल्ली
दिव्यांगता : गतिविषयक एवं श्रवण बौद्धिक और एकाधिक

विभिन्न दिव्यांगता वाले सत्रह छात्रों द्वारा पंजाबी भांगड़ा नृत्य प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शन करने वाले कलाकार श्रवण, दृष्टिगत, गतिविषयक, बौद्धिक और बहुदिव्यांगता ग्रस्त हैं। ये छात्र अमर ज्योति चैरिटेबल ट्रस्ट, दिल्ली से हैं।

भारत में पंजाब राज्य के नृत्य का एक लोकप्रिय रूप होने के कारण, दर्शक संगीत की धुन पर अपने पैरों को थिरकने और हाथों को हिलाने से रोक नहीं पाए।

Bhangra Blast

Name : (Group) - Amarjyoti Charitable Trust

Age : 9 - 23 years

Place : Delhi

Disability : Locomotor, Hearing, Intellectual and Multiple

The Punjabi Bhangra dance was performed by seventeen students. The performing artistes did not let their hearing, visual, locomotor, intellectual and multiple disabilities come in the way of bringing the stage alive with their vibrance and vitality.

Being a popular form of dance from the State of Punjab, the audience could not resist tapping their feet and waving their hands to the tune of the music, as the dancers put together a lively performance.

हमें महत्वहीन मत समझना

नाम : (समूह) – आमद नृत्य केंद्र, अभय मिशन, त्रिपुरा
उम्र : 13–27 वर्ष
स्थान : कटक, दिल्ली और त्रिपुरा
दिव्यांगता : गतिविषक और बौद्धिक

सभी ने आमद 'डांस सेंटर और अभय मिशन के कलाकारों द्वारा दिल थाम लेने वाले, साहसी कलाबाजी का आनंद लिया।

'सुनो गौर से दुनिया वालो' गाने का विषय वैश्विक समुदाय के लिए एक विनम्र अनुरोध है जो स्मरण कराता है कि वे हम पर अपनी बुरी नज़र न डालें। हम योद्धाओं और शूरवीरो से भरे एक राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। हमारी मातृभूमि के प्रति हमारा अगाध प्रेम, सम्मान, निस्वार्थता, कर्तव्य के प्रति निष्ठा और इन से आगे विविधता में एकता, हमें एक राष्ट्र के रुप में एक साथ बांधती है।

Take Us Not for Granted

Name : (Group) - Aamad Dance Centre, Abhoy Mission, Tripura
Age : 13 - 27 years
Place : Cuttack, Delhi and Tripura
Disability : Locomotor and Intellectual

The heart stopping, daredevil acrobatics by the artistes of Aamad Dance Center and Abhoy Mission were enjoyed by one and all.

The theme of the song played 'Suno Gaur Se Duniya Walo' is a polite request to the global community reminding them not to cast their evil eye on us. We represent a nation of fighters and bravehearts. The undaunting love and respect for our motherland, selflessness, devotion to duty and above all, unity in diversity, binds us together as one nation.

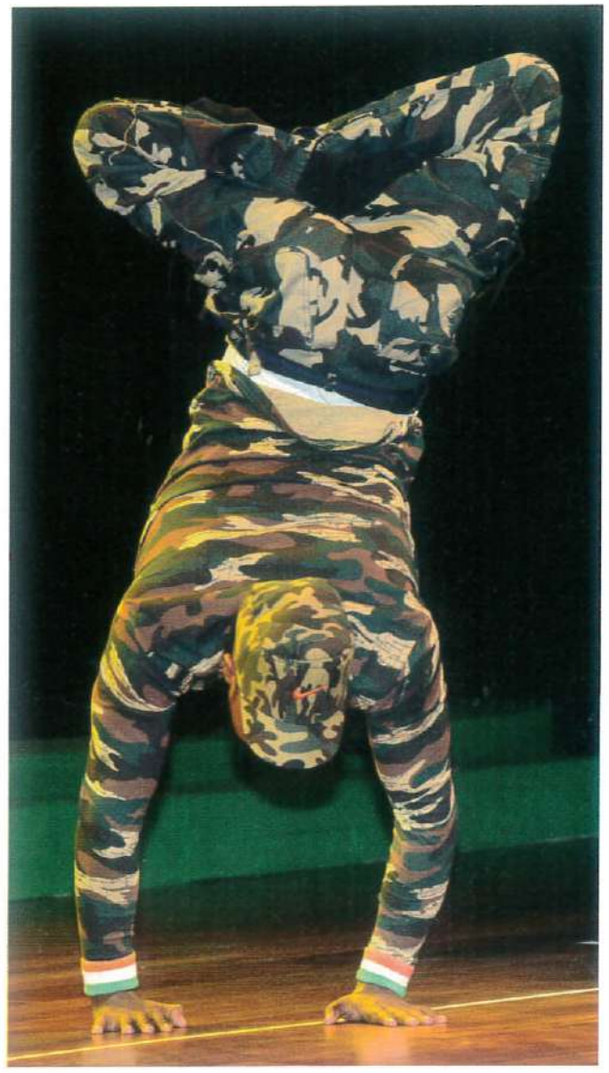

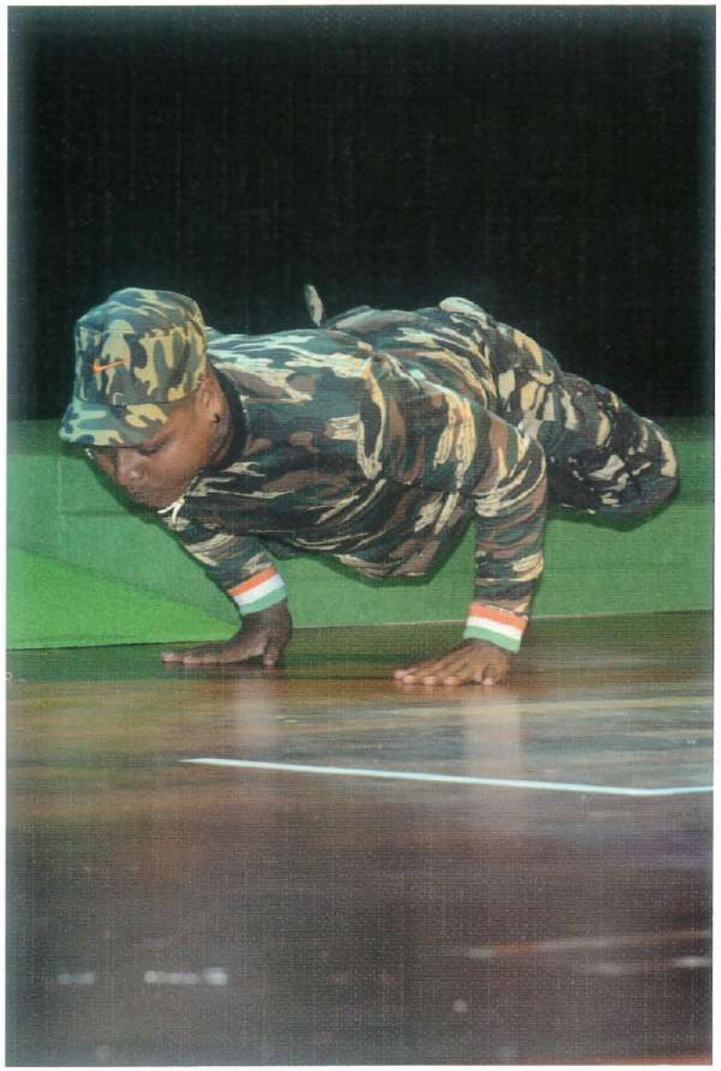

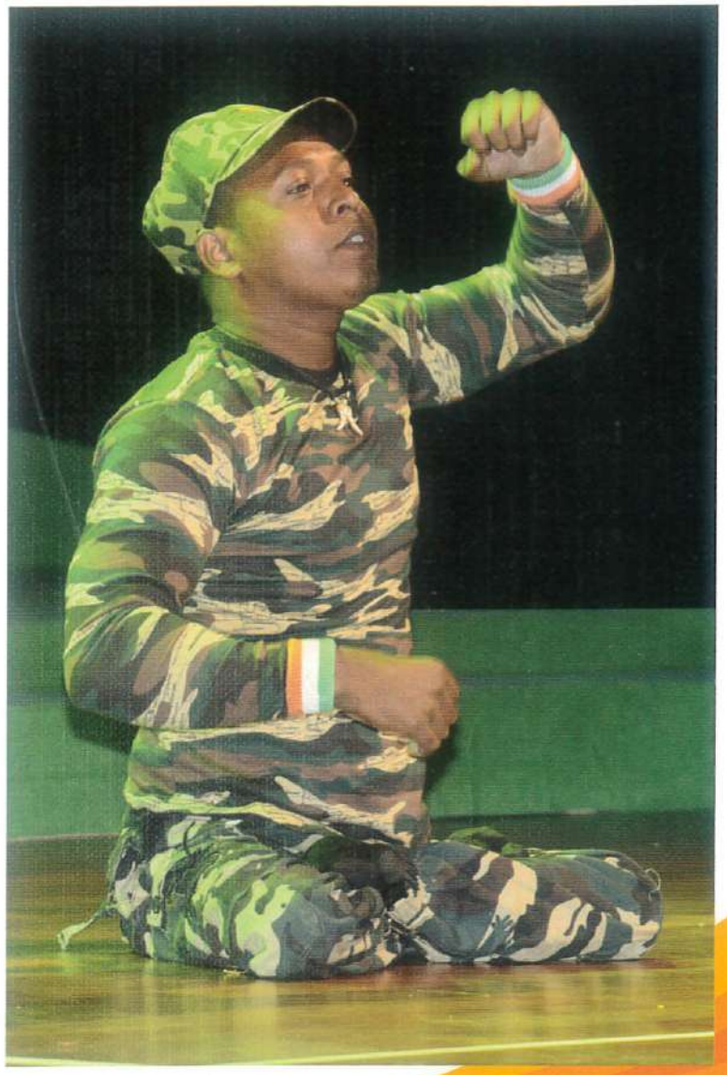

टिप्पणीः

अत्यधिक खेद के साथ इस प्रकाशन के माध्यम से यह सूचित किया जाता है कि ओडिशा के स्टार प्रदर्शक, श्री मुन्ना मलिक का 21 जून, 2019 को निधन हो गया। 18 अप्रैल, 2019 का उनका प्रदर्शन देश को उनका स्मरणीय विदाई उपहार रहा। विभाग ने उन्हें 2,50,000 रुपए का नकद पुरस्कार और बहादुरी प्रमाण पत्र (मरणोपरांत) से सम्मानित किया है।

Note:

With saddened heart, it is informed through this publication, that Mr. Muna Mallik from Odisha, the star performer, passed away on 21st June, 2019. His performance on 18th April, 2019 has been his most memorable parting gift to the Nation. The Department has honoured him with a cash award of Rupees 2,50,000 and a Certificate of Bravery posthumously.

जनजातीय नृत्य

नाम : (समूह) – राष्ट्रीय स्वामी विवेकानंद पुनर्वास और अनुसंधान संस्थान के छात्र

आयु : 8–14 वर्ष

स्थान : ओडिशा

दिव्यांगता : श्रवण

ओडिशा का जनजातीय नृत्य, जनजातीय लोगों के सामाजिक–आर्थिक जीवन, संस्कृति और परंपरा को दर्शाता है। यह नृत्य उनके रोजमर्रा के जीवन का हिस्सा हैं जिसके माध्यम से वे अपनी भावनाओं, विचारों, खुशी और उत्सव को एक दूसरे के साथ बांटते और व्यक्त करते हैं। जनजातीय नृत्य हर अवसर पर किए जाते हैं, उदाहरण के लिए नए मौसम के आने पर या फिर किसी बच्चे के जन्म पर और विवाह तथा त्योहार आदि के मौकों पर। अधिकतर अवसरों पर, जनजातीय लोग अपनी खूबसूरत जनजातीय वेशभुषा में गाते और नृत्य करते हैं और अपने उत्सव वाले दिनों का आनंद लेते हैं। छात्रों के इस समूह द्वारा किए गए शानदार जनजातीय नृत्य ने भारतीय संस्कृति की महिमा और समृद्धि तथा इसके विविध रूपों को प्रदर्शित किया।

Tribal Dance

Name : (Group) - Students from Swami Vivekanand National Institute of Rehabilitation Training and Research

Age : 8-14 years

Place : Odisha

Disability : Hearing Impairment

Tribal dance forms of Odisha reflects the socio-economic life, culture and traditions of tribal people. These dances are the part of their everyday life, through which they share and express their feelings, thoughts, emotion, joy and festivity with each other. Tribal dances are performed at every possible occasion, for instance to celebrate the arrival of a new season, the birth of a child and at weddings and festivals. On most occasions, tribal people sing and dance adorning their beautiful tribal costumes and enjoying their festive days. The scintillating tribal dance by this group of students showcased the glory and richness of Indian culture and its varied forms.

राधा कृष्णा का अनन्त प्रेम

नाम : (समूह) – श्री सत्यब्रत साहू और सुश्री सागरिका प्रियदर्शनी (स्वामी विवेकानंद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एंड रिहैबिलिटेशन ट्रेनिंग एंड रिसर्च) द्वारा युगल प्रदर्शन

आयु : 18 और 20 वर्ष

स्थान : ओडिशा

दिव्यांगता : गतिविषयक के साथ बौनापन

मधुबन में जो कन्हैया..... राधा कैसे न जले – यह गाना राधा–कृष्ण रास लीला का शास्त्रीय स्वरुप है। यह गीत राधा के लिए भगवान कृष्ण द्वारा व्यक्त प्रेम की सर्वोच्च श्रद्धा का वर्णन करता है और साथ ही राधा को चिढ़ाते हुए कृष्ण की शरारत को दर्शाता है। जब कृष्ण गोपियों से मिलते हैं और उनसे ठिठोली करते हैं, तो राधा को जलन महसूस होती है और वह कृष्ण से इसकी शिकायत करती हैं। इस पर कृष्ण राधा से कहते हैं कि गोपियां तो आएंगी और चली जाएंगी, लेकिन राधा तो सदैव उनके दिल में ही रहेगीं। वह आगे कहते हैं कि तुम्हारे बिना तो कृष्ण अधूरे हैं। इसलिए तुम अपने प्रति मेरे शाश्वत प्रेम को समझो और महसूस करो। मंत्रमुग्ध कर देने वाले उनके नृत्य के समक्ष उनकी दिव्यांगता गौण हो गई।

Eternal Love of Radha & Krishna

Name : (Group) - Duet Performance by
Mr. Satyabrata Sahoo and
Ms. Sagarika Priydarshani (Swami
Vivekanand National Institute of
Rehabilitation Training and Research)

Age : 18 - 20 years, respectively

Place : Odisha

Disability : Dwarfism with locomotor

'Madhuban mein jo Kanhaiya... Radha kaise na jale' is a classical form of 'Radha-Krishna' Raas Leela. This song describes the highest devotion of love expressed by Lord Krishna for Radha as well as reflects Krishna's naughtiness while teasing Radha. When Krishna meets the Gopies and teases them, Radha feels jealous and complains about this to Krishna. He then lovingly tells Radha that while Gopies would come and go but she would remain in his heart forever. He adds that "Without you Krishna is incomplete. So you feel and understand my eternal love for you". The dance was so mesmerizing that the disability got overshadowed.

'Madhuban mein jo Kanhaiya kisi Gopi se mile
Kabhi muskaaye kabhi chede kabhi baat kare
Radha kaise na jale.....'

'Madhuban mein jo Kanhaiya kisi Gopi se mile
Kabhi muskaaye kabhi chede kabhi baat kare
Radha kaise na jale.....'

Esteemed Dignitaries

Ms. Nishtha Jain was born without any arms, that notwithstanding, she has excelled in academics. She has also won the Super Challenger Award in an IT Competition held in China in 2017.

With the help of her feet, she can perform all her daily living chores,. apart from pursuing her hobbies like playing the casio, operating the computer, cutting, stitching and tailoring.

Ms. Nishtha proposed the Vote of Thanks to the Hon'ble President, distinguished guests and the audience for their having attended the show. Her flawless and eloquent performance received applause from one and all present at the Rashtrapati Bhawan Cultural Centre that evening.

Interaction with Divyang

Interaction with Divyang

Interaction with Divyang

Grand Finale

Grand Finale

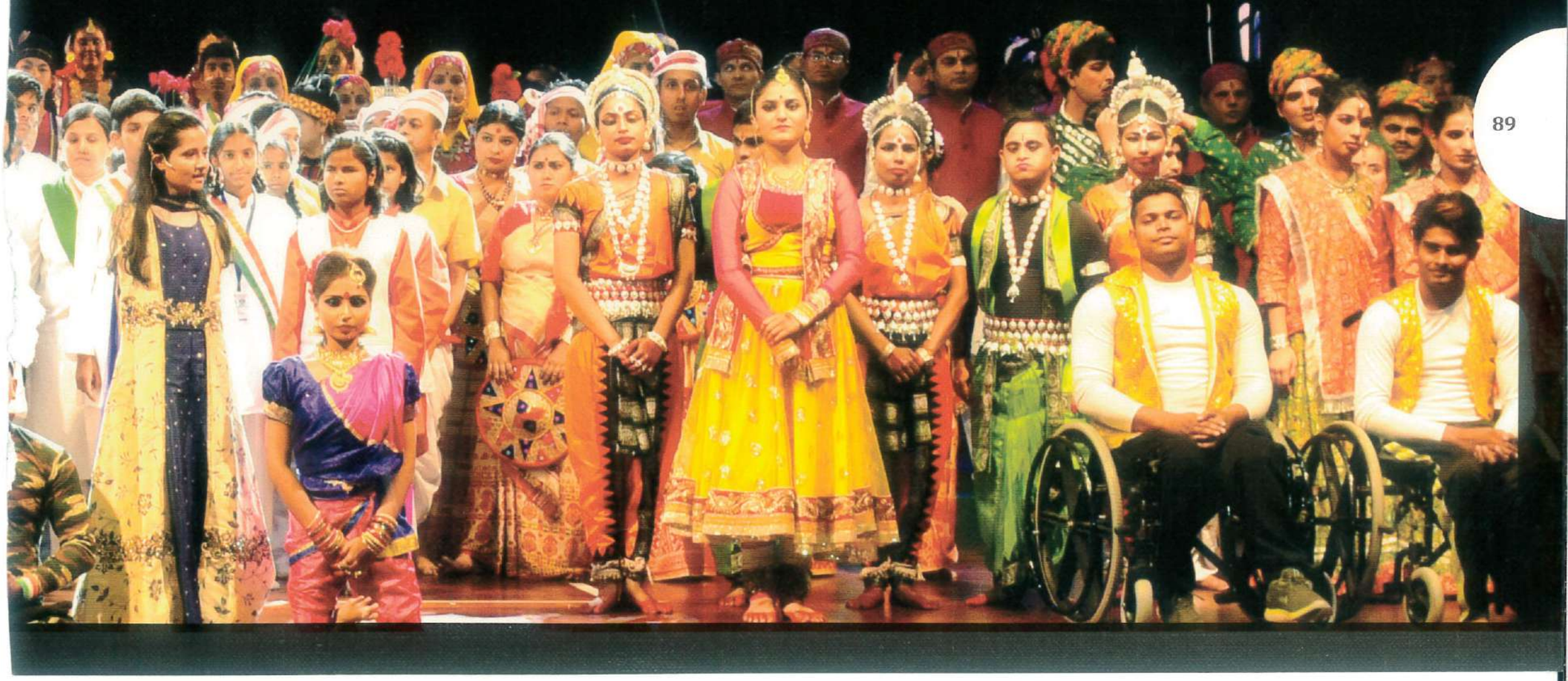

Acknowledgements

Our sincere thanks to the participating Divyang children and youth representing various States for their indomitable spirit and hardwork; to their organisations, teachers, parents, caregivers and escorts for being pillars of attention and care; to the anchors, Ms. Avichal Bhatnagar, Ms. Cynthia Singh and Ms. Prince Kumar Singh, university students with visual impairment; to Mrs. Sindhu Mishra, renowned dancer and choreographer of the event and her team consisting of Ms. Rani Khanam, Ms. Ritika Verma, Ms Swati Mittal, Ms. Nikhat Alam, Mr. Gulshan Batra and Mr. Sandeep Dutta; and to the

management and staff of our National Institutes.

We are also thankful to the entire team of officers and staff of the President's Secretariat, especially Shri Sanjay Kothari, Secretary to President of India; Shri Pankaj Sharma, Internal Financial Advisor. We also express our gratitude to the team from the Lok Sabha Secretariate for extending all possible support to make these events successful.

Mrs. Shakuntala Doley Gamlin, Secretary, DEPwD being the Chief Coordinator provided inspiration and constantly guided the entire team of the department during the period of preparation and presentation. She was assisted by a dynamic team from DEPwD consisting of Dr. Prabodh Seth, Joint Secretary; Mrs. Tarika Roy, Joint Secretary; Mr. Kishor Baburao Surwade, DDG; Shri K.V.S. Rao, Director; Shri. T.C Sivakumar, Director; Mr. Vikash Prasad, Director; Mr. Sitaram Yadav, Deputy Secretary; Mr. D.K Panda, Under Secretary; Mr. S.K Mehetto, Under Secretary; Shri Sanjay Singh, Under Secretary; Mr. O.P Dogra, Senior Consultant; Ms. Suprava Dash, Special Media Consultant; Mr. Pawan Kumar, ASO; Mr. Gulshan Verma, Assistant and Ms. Pooja Malik, Assistant.

Guiding Principles enshrined in the United Nations Convention on the Rights of Persons with Disabilities (UNCRPD)

- Respect for inherent dignity, individual autonomy including the freedom to make one's own choices, and independence of persons;
- Non-discrimination;
- Full and effective participation and inclusion in society;
- Respect for difference and acceptance of persons with disabilities as part of human diversity and humanity;
- Equality of opportunity;
- Accessibility;
- Equality between men and women;
- Respect for the evolving capacities of children with disabilities and respect for the right of children with disabilities to preserve their identities

21 DISABILITIES RECOGNISED UNDER THE RIGHTS OF PERSONS WITH DISABILITIES ACT, 2016

PHYSICAL DISABLITY

Locomotor Disability

- Leprosy cured person
- Cerebral Palsy
- Dwarfism
- Muscular Dystrophy
- Acid Attack Victim

VISUAL IMPAIRMENT

- Blindness
- Low-Vision

HEARING IMPAIRMENT

- Deaf
- Hard of Hearing

SPEECH AND LANGUAGE DISABLITY

INTELLECTUAL DISABLITY

- Specific Learning Disability
- Autism Spectrum Disorder

MENTAL BEHAVIOUR

- Mental Illness

DISABLITY CAUSED DUE TO

(a) Chronic Neurological Conditions

- Multiple Sclerosis
- Parkinson's Disease

(b) Blood Disorder

- Haemophilia
- Thalassemia
- Sickle Cell Disease

MULTIPLE DISABLITIES

ANY OTHER CATEGORY AS MAY BE NOTIFIED BY THE CENTRAL GOVRNMENT

List of Participants

ASSAM

Intellectual Disability

1. Ms. Ranjita Bhattacharya
2. Ms. Anamika Deka
3. Ms. Anudhriti Saikia
4. Ms. Pinky Baruah
5. Ms. Pallabi Das
6. Ms. Rinku Kalita
7. Mr. KabirPritam Baruah
8. Mr. Rohan Sharma
9. Mr. Jayanta Goswami

DELHI

Autism

1. Mr. Eshan Pratap Singh
2. Mr. Maharshi Mandal
3. Mr. Sainyam Verma
4. Mr. Varun Brij

Hearing Impaired

1. Ms. Purnima Sharma
2. Ms. Bhumika Rawat
3. Ms. Nancy Mandal
4. Ms. Rozi
5. Ms. Suhana Saifi
6. Ms. Divya
7. Ms. D. Chandrakala
8. Ms. Anjali
9. Ms. Khushi Thakur
10. Ms. Laxmi
11. Mr. Krishna Kumar
12. Mr. Ravi Kumar
13. Mr. Puneet
14. Mr. Sourabh
15. Mr. Manoranjan Ray
16. Mr. Akhilesh Kumar
17. Mr. Deepak Singh
18. Ms. Muskan
19. Ms. Gudiya
20. Ms. Lubna
21. Ms. Vandana
22. Ms. Shaily
23. Ms. Zoya Saifi
24. Ms. Amna
25. Ms. Farzana
26. Ms. Shreya
27. Mr. Keshav Kumar
28. Mr. Sunny
29. Mr. Himanshu
30. Ms. Shefali Negi
31. Ms. Khushi Sagar

Intellectual Disability

1. Ms. Riya Punn
2. Mr. Tanmay Aggarwal
3. Mr. Abhishek Rana
4. Ms. Shipra Joshi
5. Ms. Pallavi Joshi
6. Ms. Preeti
7. Ms. Kamya Saxena
8. Ms. Varsha
9. Ms. Harjas Kaur
10. Ms. Falak Kain
11. Mr. Kushagra
12. Mr. Kushagra Bhardwaj
13. Master. Grace
14. Ms. Swati Sachdev
15. Ms. Khushi Sagar
16. Ms. Samanjeet

Locomotor Disability

1. Ms. Divya Dhingan
2. Ms. Alisha
3. Ms. Kajal
4. Ms. Naina
5. Mr. Dheeraj
6. Mr. Saim
7. Mr. Fahim

Specific Learning Disability

1. Ms. Nishika Jadon
2. Ms. Devika
3. Mr. Neeraj
4. Ms. Sameeksha Gupta
5. Ms. Ananya Kuri

Visual Impairment

1. Ms. Palak Sharma
2. Mr. Pramod Ghosal
3. Ms. Chetna Nagpal
4. Mr. Ankur Gupta
5. Mr. Sugriv Urav
6. Ms. Ankita Jaiswal
7. Mr. Vinay Ban
8. Mr. Tapesh Nigam
9. Ms. Nishu

GUJARAT

Physical Disability

1. Ms. Nirali P. Vala
2. Ms. Vruti M. Hirpara
3. Ms. Dhara N. Rathva

Visual Impairment

1. Ms. Asha Gavli
2. Ms. Navita Gavli
3. Ms. Juli R. Akvaliya
4. Ms. Shruti R. Akvaliya
5. Ms. Nayana D. Dabhi
6. Ms. Sumra Murada K
7. Ms. Darshita D. Rathva

KOLKATA

Locomotor Disability

Ms. Rini Bhattacharjee

Intellectual Disability

Mr. Korok Biswas

MADHYA PRADESH

Hearing Impairment

Ms. Bulbul Panjre

MANIPUR

Intellectual Disability

Ms. N.Daina Devi Manipur

List of Participants

MIZORAM

Hearing Impairment
1. Ms. Lalhmangaihkimi
2. Ms. Lalchhanchhuaha

Intellectual Disability
1. Ms. Vanlalhiriatkima
2. Ms. Jordana B Rosangzuali
3. Ms. Ruthi Lalruatfeli
4. Ms. Mesak Lalchhanhima

MEGHALAYA

Intellectual Disability
1. Mr. Bashemphang Wankhar
2. Mr. Apdashisha Phanbuh
3. Ms. Mebanialam Nongkhlaw
4. Ms. Isabella Kharlukhi

Multiple Disability
1. Ms. Perbetlin Thangkhiew
2. Ms. Memang Kyrpang Syiem

NAGALAND

Hearing Impairment
Ms. Holika Deborah Kiba

Locomotor Disability
1. Mr. Kezhaleto Zecho
2. Ms. Ashi Kiba
3. Ms. Vikengunu Kera

Low Vision
1. Ms. Kili H Chishi
2. Mr. Kakheto

Intellectual Disability
Ms. Obangsenla Jamir

ODISHA

Hearing Impaired
1. Ms. Gayatri Pattanaik
2. Ms. Sabita Behera

Intellectual Disability
1. Mr. Ashutosh Mahapatra
2. Ms. Deepu
3. Ms. Srabani Nanda

Locomotor Disability
1. Ms. Juli Kar
2. Mr. Muna Malik

SIKKIM

Intellectual Disability
1. Ms. Krishna Maya Khatiwara
2. Ms. Samjana Biswakarma

TAMIL NADU

Intellectual Disability
1. Mr. Mitul Sunderaj
2. Mr. J. Yashwant
3. Ms. V. Sakthi Priya
4. Ms. P. Selvi
5. Ms. L. Shree Vaishnavi
6. Ms. S. Nithyashri
7. Ms. Jayavarshan.J
8. Mr. A. Hemanand

Locomotor Disability
Ms. Kanmoni. S

Visual Impairment
Ms. K. Jyothi

TELANGANA

Intellectual Disability
1. Ms. Durga
2. Ms. M. Vaishnavi
3. Ms. D. Shivani
4. Mr. M. Srikanth
5. Mr. N. Yeshwanth
6. Mr. Shoieb Ather

TRIPURA

Speech and Hearing Disability
Ms. Lipika Debnath

Intellectual Disability
1. Ms. Megha Khatun
2. Mr. Sahil Datta
3. Ms. Kalyani Barman

Multiple Disability
Mr. Arman Debbarma

UTTARAKHAND

Visual Impairment
1. Mr. Raju Singh Biswakarma
2. Mr. Vikas Kukreti
3. Mr. Harish Kumar
4. Mr. Sandeep Saini
5. Mr. Durgesh Paswan
6. Mr. Bhurunde Meher
7. Mr. Ashok rao
8. Mr. Praveen
9. Mr. K.M. Bhawna
10. Ms. K.M. Kavya Bora
11. Ms. K.M Ratna
12. Ms. K.M Gopeshwari
13. Ms. K.M. Monika
14. Mr. Arvind Hansraj Dhuratkar
15. Mr. Raj Kumar
16. Mr. Khajan Bhatt
17. Mr. Shivam Singh
18. Mr. Sejal Gaurav
19. Ms. Neha

EVENING 'DIVYA KALA SHAKTI-DIVYANGTA MEIN ...A' ORGANIZED FOR MEMBERS OF PARLIAMENT

...ondent
...times.com

A cultural ...Kala Shakti – ...Kshamta Ka... was organized ...of Social Jus...rment in the ...ium, Parlia...ilding today. ...f India Shri ...nd was the ...he occasion. ...nt of India & ... Sabha Shri ...aidu, Prime ...endra Modi ...Speaker Shri Om Birla also graced the function by their presence. Several Union Ministers, Members of Parliament of Lok Sabha and Rajya Sabha were also among the present dignitaries. The cultural evening showcased the creative artistic abilities of divyang children from different States and Union Territories of the country. The extraordinary talent displayed by the children in the fields of singing, dance & music and their spirited performances created a spell binding effect on the dignitaries present.

...this 326 are in ... ...ing regulatory gaps and lack of ... to raise deposits illegally. ... covered 3,488 km and the two ... US and other countries.

...es merger of ...ICMR-NIOH

...try of Health and Family Welfare with all assets and liabilities and absorb all the employees of NIMH in NIOH in similar post/pay scale as the case may be and their pay be protected," Union Minister Prakash Javadekar said while briefing about decision taken by the Cabinet on Wednesday.

The merger/amalgamation of NIMH with NIOH will prove beneficial to both the institutes in terms of enhanced expertise in the field of occupational health besides the efficient management of public money, the minister said.

DIVYA KALA SHAKTI

President Ram Nath Kovind, Vice President M Venkaiah Naidu, Prime Minister Narendra Modi and Union Minister for Social Justice and Empowerment Thaawar Chand Gehlot along with divyang children at the cultural event Divya Kala Shakti organised by the DEPwD in New Delhi on Tuesday PIC/MI

Social Justice Ministry organises cultural evening in Parliament complex

Dainik Jagran, New Delhi
Saturday, 27th July 2019; Page: 14
Width: 15.41 cms; Height: 11.35 cms; a4; ID: 29.2019-07-27.110

'दिव्य कला शक्ति' का आयोजन

सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्रालय के तहत दिव्यांगजन अधिकारिता विभाग ने पिछले दिनों एक कार्यक्रम 'दिव्य कला शक्ति' का आयोजन किया जिसमें दिव्यांग बच्चों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद भी उपस्थित थे और उन्होंने दिव्यांग बच्चों के इस प्रदर्शन को देखा व सराहा। इनके अलावा उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी उपस्थित थे।

दिव्य कला शक्ति' का आयोजन

सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्रालय के तहत दिव्यांगजन अधिकारिता विभाग ने पिछले दिनों एक कार्यक्रम 'दिव्य कला शक्ति' का आयोजन किया जिसमें दिव्यांग बच्चों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद भी उपस्थित थे और उन्होंने दिव्यांग ब... के इस प्रदर्शन को देखा व सराहा। इनके अलावा उपराष्ट्रपति वेंकैया ना... प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी उपस्थित थे।

Hindustan Times, Delhi
Saturday, 27th July 2019; Page: 23
Width: 16.66 cms; Height: 8.94 cms; a4; ID: 22.2019-07-27.246

DEPD organises 'Divya Kala Shakti-Witnessing Ability in Disability'

The President of India, Ram Nath Kovind witnessed extraordinary performances by the Divyang Children at the cultural event 'Divya Kala Shakti- Witnessing Ability in Disability' organised by the Department of Empowerment of Persons with Disabilities (Divyangjan), Ministry of Social Justice and Empowerment in GMC Balayogi Auditorium, Parliament Library Building.

The Vice President and Chairman, Rajya Sabha M Venkaiah Naidu, the Prime Minister Narendra Modi, the Speaker, Lok Sabha Om Birla were the guests of honour. Union Minister for Social Justice and Empowerment Thaawarchand Gehlot and many Ministers were present.

Hindustan Times, Delhi
Saturday, 27th July 2019; Page: 23

DEPD organises 'Divya Kala Shakti-Witnessing Ability in Disability'

DEPD organises 'Divya Kala Shakti-Witnessing Ability in Disability'

The President of India, Ram Nath Kovind witnessed extraordinary performances by the Divyang Children at the cultural event 'Divya Kala Shakti- Witnessing Ability in Disability' organised by the Department of Empowerment of Persons with Disabilities (Divyangjan), Ministry of Social Justice and Empowerment in GMC Balayogi Auditorium, Parliament Library Building.

The Vice President and Chairman, Rajya Sabha M Venkaiah Naidu, the Prime Minister Narendra Modi, the Speaker, Lok Sabha Om Birla were the guests of honour. Union Minister for Social Justice and Empowerment Thaawarchand Gehlot and many Ministers were present.

Live हिन्दुस्तान .com

आपका शहर

दिव्य कला शक्ति कार्यक्रम: PM मोदी ने दिव्यांगों की प्रतिभा को सराहा

लाइव हिन्दुस्तान

Updated: Wed, 24 Jul 2019 03:03 PM IST

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार शाम यहां देश भर से आये दिव्यांग बच्चों तथा युवाओं की सांस्कृतिक प्रतिभा का आनंद लिया और उन्हें उनके उज्वल और पढ़ें...

WITNESS ABILITY IN DISABILITY

Cultural event, *Divya Kala Shakti — Witnessing Ability in Disability*, organised by the Department of Empowerment of Persons with Disabilities (DepEd), Ministry of Social Justice and Empowerment.

The Vice President and chairman of Rajya Sabha, M Venkaiah Naidu, Prime Minister, Narendra Modi, speaker of Lok Sabha, Om Birla, were the guests of honour. Union Minister for Social Justice and Empowerment, Thaawarchand Gehlot and other ministers were also present. Members of Parliament from Rajya Sabha and Lok Sabha and the Secretaries to many Central Ministries/Departments also attended this special event, which was organized for the second time.

The DepEd received a request from the President's Secretariat to conduct a cultural programme for divyang children in the premises of Rashtrapati Bhawan with an aim to further create awareness regarding the tremendous potential that is waiting to be harnessed. In order to organise the function, there major steps were taken:

— To invite entries of participants through national institutes

— To appoint a professional choreographer in order to mentor the participating teams.

— To make the Rashtrapati Bhawan cultural centre fully accessible.

One hundred and seventy five artistes have been drawn from different states, cultural societies and institutions. The discipline, precision of timing and performance among such children is the greatest example of their intellect and creative ability, which needs to be harnessed for their optimal self-actualisation.

The President Secretariat made necessary arrangements for making the stage and venue accessible for these children. They are capable of excelling in any field be it art, culture or sports. The audience will always remember the inspiring words said by the President that we need to spread the message of the rights and skills of divyang children across the country.

DepEd also provides rehabilitation services, training, education and conducts research on disabilities. Besides providing financial support to civil society organisations for sensitising people about the rights of disabled people; the government confers national awards every year in recognition of excellence of individuals with disabilities.

Asian Age, Delhi
Thursday, 25th July 2019; Page: 3
Width: 24.27 cms; Height: 18.19 cms; a4r; ID: 9.2019-07-25.45

Prime Minister Narendra Modi interacts with the children who performed at a cultural programme 'Divya Kala Shakti: Witnessing Ability in Disability' in New Delhi on Tuesday. — PTI

Twitter Highlights

President of India
@rashtrapatibhvn

#PresidentKovind attends a cultural event "Divya Kala Shakti: Witnessing Ability in Disability" organised by Ministry of Social Justice & Empowerment in New Delhi

8:45 PM · 23 Jul 19 · Twitter for iPhone

Tweets | Tweets & replies | Media | Likes

VicePresidentOfIndia @VPSe... · 23 Jul
I compliment the Ministry of Social Justice and Empowerment for organising this special event. @TCGEHLOT @socialpwds #DivyaKalaShakti

6 85 718

Twitter Highlights

Tweets | Tweets & replies | Media | Likes

Narendra Modi @narendramodi · 23 Jul
Witnessed an excellent cultural event, 'Divya Kala Shakti' earlier this evening. Congratulations to all those who livened the programme with great performances. This programme wonderfully showcased the talents of several Divyang artists. @socialpwds

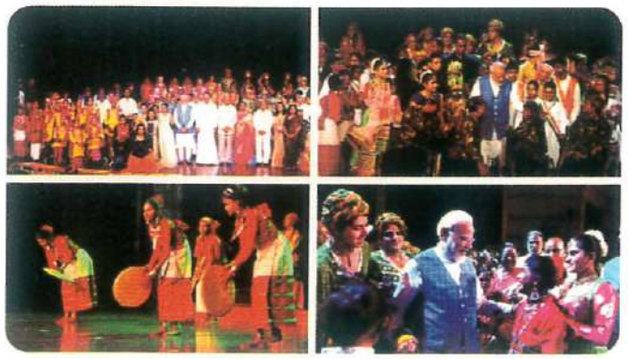

1,188 4,256 38.3K

Thawarchand Gehlot @TCGE... · 23 Jul
Hon. Vice President Shri @MVenkaiahNaidu , Hon. Pm Shri @narendramodi ,Hon Speaker, Lok sabha Shri @ombirlakota were the Guests of Honour. Many Ministers and Members of Parliament from RS & LS, the Secretaries to many Central Ministries/Dept. also attended this special event. – at Parliament House

116 views

3 17 78